

परिचय:-

यह कार्यक्रम परास्नातक हिन्दी की उपाधि के निमित्त है, जो मुक्त दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। इस प्रणाली में, छात्रों को पारंपरिक विधि से कक्षा में उपस्थित हुए बिना ही दूरस्थ शिक्षा माध्यम से अध्ययन करने की सुविधा प्राप्त होती है। ऐसे कार्यक्रम प्रमुखतः कामकाजी, पेशेवरों या ऐसे व्यक्तियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए निर्मित किए जाते हैं जो नौकरी की प्रतिबद्धताओं, पारिवारिक ज़िम्मेदारियों या भौगोलिक बाधाओं जैसे विभिन्न कारणों से पूर्णकालिक, परिसर-शिक्षण-कार्यक्रम के लिए उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त श्रेणी 1 और NAAC द्वारा A⁺⁺ की रैंक प्राप्त है। अतः विश्वविद्यालय छात्रों को कौशल विकास और भविष्य को उज्ज्वल बनाने का अवसर प्रदान कर रहा है। यह 2 वर्ष अर्थात् 4 सेमेस्टर का कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम उन छात्रों में साहित्य बोध के द्वारा मानवीय गुणों का विकास करने, संवेदनाओं की बेहतर समझ बनाने में अच्छा अवसर प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण:

सार्वभौमिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षार्थियों को ज्ञानोदित करके मानवता को प्रबुद्ध और सशक्त बनाना।

विश्वविद्यालय का ध्येय:

अकादमिक क्षेत्र के वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रौद्योगिकी-केंद्रित शिक्षा, मजबूत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र, संस्थागत विशिष्टता और सामंजस्यपूर्ण सामाजिक विविधता में स्थायी उत्कृष्टता की दिशा में काम करना।

1. कार्यक्रमकामिशनऔरउद्देश्य:

हिन्दी में परास्नातक हेतु दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का लक्ष्य और उद्देश्य उन विविध प्रकार के शिक्षार्थियों की आवश्यकता की पूर्ति करना है जो हिन्दी में सहज, सुलभ, सुगम एवं उत्तम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अभिलाषा रखते हैं तथा जो किन्हीं कारणों से उच्च शिक्षण संस्थानों में, नियमित उपस्थित रह

कर अध्ययन करने में असमर्थ हैं। इस लक्ष्य एवं उद्देश्य की पूर्ति हेतु क्रियमाण कर्म की प्रस्तावित रूपरेखा इस प्रकार है :

1.1 कार्यक्रम का मिशन:

परास्नातक हिन्दी के लिए दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम का मिशन शिक्षार्थियों के विविध समुदाय को हिन्दी परास्नातक स्तर की सहज-सुलभ और उत्तम कोटि की शिक्षा प्रदान करना है, चाहे उनकी भौगोलिक स्थिति, सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि या पिछले शैक्षिक अनुभव कुछ भी हों।

1.2 कार्यक्रम का उद्देश्य:

एम. ए.

हिन्दी के स्नातकोत्तर स्तर के इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी के विवेक को विस्तार देना तथा गहन अध्ययन एवं शोध जिज्ञासा का संवर्धन है। ज्ञान की शाखाओं के साथ वर्तमान विश्व को सजग, सृजनात्मक और संवेदनशील व्यक्तित्व की भी आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता एवं विश्वबन्धुत्व की स्थापना कर सकें। साहित्य का अध्ययन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि वह मानवता की स्थापना में मनुष्य का विश्वास दृढ़ करता है।

1.3 कार्यक्रम का परिणाम :

भाषा, आलोचना और काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धान्तिक समझ को विस्तृत करता है, वहीं कविता-कला, नाटक, कथासाहित्य तथा अन्य सृजनात्मक विधाएं उन सिद्धान्तों को व्यवहारिक रूप से क्रियान्वित करने का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इस प्रकार हिन्दी का

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों दृष्टि देता है। पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की आजादी देती है कि वह अपनी इच्छा से विभिन्न विषयों को पढ़ सके। एम. ए.

हिन्दी का यह

पाठ्यक्रम स्नातक के पश्चात् विद्यार्थी को गम्भीर अध्ययन के लिए प्रेरित करता है। इस

पाठ्यक्रम के अनुशीलन से विद्यार्थी में संवेदनात्मक, आलोचनात्मक और शोधात्मक प्रवृत्ति का विकास होगा।

1. कार्यक्रम के सीखने के परिणाम (Program Learning Outcomes) :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-
सिखाने की प्रक्रिया में हिन्दी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा सकेगी।
- भाषा के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ व्यावहारिक रूप को जाना जा सकेगा।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी भाषा को विषय एवं माध्यम के रूप में समायोजित किया जा सकेगा।
- छात्र हिन्दी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से जान सकेंगे।
- अनुवाद, कम्प्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाने से व्यावसायिक कौशल का विकास होगा।
- हिन्दी के साथ भारतीय साहित्य एवं लोक साहित्य के अध्ययन-अध्यापन से छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा।
- साहित्य के माध्यम से सौन्दर्य बोध, नैतिकता, पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक समरसता सम्बन्धी समझ विकसित होगी।
- साहित्य की विविध विधाओं के पठन-पाठन से विद्यार्थी को रचनात्मक लेखन की प्रेरणा मिलेगी।
- साहित्य विवेक का निर्माण करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी के महत्व का बोध होगा।
- प्राचीन और नवीन प्रतिमानों के विश्लेषण से अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक परम्परा का बोध होगा।

2. कार्यक्रम की प्रासंगिकता:

इस कार्यक्रम से जुड़ने वाले प्रत्येक छात्र को उत्तम शैक्षिक अवसर प्रदान करने, उनकी क्षमता का विकास करने और कर्तव्यनिष्ठ वैश्व नागरिक बनने के

लिए, उपयुक्त वातावरण उपलब्ध होगा। भारत में साक्षरता की अनिवार्यता को पहचानते हुए, विश्वविद्यालय सभी के लिए शिक्षा तक पहुँच का विस्तार करने के लिए समर्पित है। इस मिशन को ध्यान में रखते हुए, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर आगामी 2024-25 शैक्षणिक सत्र में द्रोणाचार्य मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र (द्रोणाचार्य सेंटर ऑफ ओपन एंड डिस्टेंस एजुकेशन) शुरू कर रहा है, जिसका लक्ष्य देश के हर कोने में अपनी सेवाओं को उपलब्ध करना है।

2.1 सुलभता और समावेशिता: सी०एस०जे०एम० विश्वविद्यालय का लक्ष्य शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने का है। हिन्दी में मुक्त एवं दूरस्थ परास्नातक कला का कार्यक्रम (Open Master of Arts program in Hindi) इस लक्ष्य का प्रभावी ढंग से पूर्ण करने की सामर्थ्य रखता है। ऑनलाइन कक्षाओं, अंशकालिक अध्ययन और दूरस्थ शिक्षा जैसी लचीली एवं सीखने का सुगम अवसर प्रदान करने वाली पद्धति से, विद्यार्थियों की व्यापक आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति करने में सक्षम होगी; जो परिसर-आधारित पारंपरिक शिक्षण में आने वाली बाधाओं (यथा- स्थान, वित्त या व्यक्तिगत परिस्थितियों) से मुक्त सहज, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

2.2 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: विश्वविद्यालय उच्च-स्तरीय शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करते हैं जो कि अकादमिक मानदंडों के अनुरूप हो और छात्रों को उनके इच्छित व्यवसायों में उपलब्धि के लिए तैयार करे। हिन्दी में एक सुलभ परास्नातक कला पाठ्यक्रम (मास्टर ऑफ आर्ट्स प्रोग्राम) के अध्ययन की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेषज्ञ आचार्यों और व्यापक सहायता प्रणालियों एवं संसाधनों को प्रस्तुत करके इन मानकों को बनाए रखना है, जिससे छात्रों को पारंपरिक कार्यक्रमों के बराबर उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो सके।

2.3 आजीवन शिक्षा और सतत शिक्षा: सीखना और सिखाना मानव जीवन की सतत और आजीवन चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। उच्च शिक्षण संस्थान इस दार्शनिक वाक्य से अभिप्रेरित है। इसी क्रम में सी०एस०जे०एम० विश्वविद्यालय भी हिन्दी परास्नातक के मुक्त एवं दूरस्थ पाठ्यक्रम को सुलभ शिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बनाकर व्यवहार के धरातल पर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार निर्मित है कि शिक्षार्थियों के बड़े वर्ग को समायोजित किया जा सके, ताकि व्यवसाय और अध्ययन को संतुलित करने वाले पेशेवर, गैर-पारंपरिक छात्र और निरंतर सीखने के लिए प्रतिबद्ध लोगों को सुलभ और अनुकूल शैक्षिक वातावरण प्राप्त हो सके।

2.4 सामुदायिक जुड़ाव और आउटरीच: विश्वविद्यालय अक्सर अपने आस-पास के समुदायों से जुड़ने और सामाजिक प्रगति में भूमिका निभाने का लक्ष्य रखते हैं। हिन्दी में एक सहज व सुलभ एम.ए. कार्यक्रम के माध्यम से, विश्वविद्यालय स्थानीय लोगों, समूहों और क्षेत्र के नीति निर्माताओं को शैक्षिक संसाधन, विशेषज्ञता और शोध के अवसर प्रदान करके सामुदायिक भागीदारी और आउटरीच प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग ले सकता है। यह सहयोग विश्वविद्यालय के विस्तारित समुदाय के भीतर सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और समग्र साहित्यिक-सामाजिक विकास को प्रोत्साहित कर सकता है।

2.5 अनुसंधान और नवाचार: विश्वविद्यालय अनुसंधान और नवाचार को बहुत महत्व देता है। हिन्दी में परास्नातक कला (मास्टर ऑफ आर्ट्स) कार्यक्रम शोध को बढ़ावा देकर, अन्तर्विषयी अनुसंधान साझेदारी को प्रोत्साहित करके और बहु-विषयक क्षेत्र में अनुसंधान हेतु सामग्रियों को साझा करने की सुविधा प्रदान करके इस लक्ष्य में योगदान दे सकता है। यह कार्यक्रम विचारों के आदान-प्रदान, नवाचार को बढ़ावा देने और ज्ञान उत्पन्न करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य कर सकता है, इस प्रकार सामाजिक समझ और अनुप्रयोग की प्रगति में सहायता कर सकता है। संक्षेप में, छत्रपति शाहू जी महाराज

विश्वविद्यालय, कानपुर में हिन्दी में एक ओपन मास्टर ऑफ आर्ट्स प्रोग्राम शैक्षिक पहुंच को बढ़ाने, निरंतर सीखने और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने, अनुसंधान और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और शैक्षणिक विशिष्टता और सामाजिक प्रगति के विश्वविद्यालय के व्यापक उद्देश्यों का समर्थन करने की क्षमता से युक्त है।

3. शिक्षार्थियोंकेभावीलक्ष्यसमूहकीप्रकृति:

हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला का कार्यक्रम शिक्षार्थियों के पारंपरिक कार्यक्रमों की तुलना में व्यापक और सुग्राह्य है। इस कार्यक्रम के व्यावहारिक धरातल पर कार्यान्वित करने की संक्षिप्त संकल्पना का बिन्दुवार विवरण निम्नवत है:-

31. **गैर-पारंपरिक छात्र:** एम०ए० हिन्दी के इस पाठ्यक्रम में अक्सर ऐसे छात्र आते हैं जो पूर्णकालिक, ऑन-कैंपस शिक्षार्थियों के मानक प्रोफाइल से अलग होते हैं। इसमें कामकाजी पेशेवर, माता-पिता की देखभाल करने वाले या अन्य जिम्मेदारियों को निभाने वाले व्यक्ति शामिल हो सकते हैं।

3.2 **आजीवन शिक्षार्थी:** यह कार्यक्रम अक्सर ऐसे व्यक्तियों को आकर्षित करता है जो शिक्षा को एक सतत यात्रा के रूप में देखते हैं। ये छात्र अक्सर किसी विशेष कैरियर के उद्देश्य के बजाय व्यक्तिगत या बौद्धिक जिज्ञासा से प्रेरित होते हैं। वे हिन्दी के अपने ज्ञान का विस्तार करने और पारंपरिक शैक्षणिक या व्यावसायिक व्यस्तताओं से परे अकादमिक चर्चाओं में सहभागिता करने में रुचि रखते हैं।

3.3 **जीविकोपार्जन के नवीन विकल्प प्रदाता:** हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला के कार्यक्रम में दाखिला लेने का विचार करने वाले कुछ व्यक्ति, जो अपने करियर को आगे बढ़ाने या हिन्दी या संबंधित क्षेत्र में नई भूमिका तलाशने का लक्ष्य

रखते हैं। जबकि उनके पास कुछ पेशेवर अनुभव हो सकता है, वे अपने करियर के अवसरों को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रमाणपत्र या विशेष ज्ञान चाहते हैं।

3.4 वैश्विक शिक्षार्थी: इस कार्यक्रम की विशिष्टता, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से विविध छात्र समूह को आकर्षित करने की क्षमता में निहित है। ये छात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्राप्त कर सकते हैं या वैश्विक दृष्टिकोण से विभिन्न मुद्दों पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की आकांक्षा रख सकते हैं।

3.5 आर्थिक रूप से कमजोर छात्र: यह कार्यक्रम विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो कि फायदी और आसानी से सुलभ शैक्षिक विकल्पों की तलाश में हैं। ये शिक्षार्थी ऐसे कार्यक्रमों को महत्व दे सकते हैं जो शिक्षा तक अधिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए लचीली भुगतान व्यवस्था प्रदान करते हैं।

3.6 कौशल उन्नयनकर्ता: भावी छात्रों का एक समूह हिंदी या किसी अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने कौशल को बढ़ाने या नए करियर पथ पर आगे बढ़ने के लिए हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला के कार्यक्रम में दाखिला ले सकता है। वे उन्नत मात्रात्मक, विश्लेषणात्मक या शोध कौशल हासिल करने का लक्ष्य रख सकते हैं, जिनकी आज के बाजार में अत्यधिक मांग है।

4.

विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में आयोजित किए

जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता:

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ODL)

मोड में हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला का कार्यक्रम आयोजित करना कई कारणों से विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए अत्यधिक उपयुक्त हो सकता है:

4.1

लचीलापन: यह कार्यक्रम समय,

स्थान और सीखने की गति के मामले में सहजता प्रदान करता है। शिक्षार्थी दूरस्थ रूप से पाठ्यक्रम

सामग्री, व्याख्यान और असाइनमेंट तक पहुँच सकते हैं, जिससे उन्हें अपने अध्ययन को काम, परिवार या अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ संतुलित करने में मदद मिलती है। यह लचीलापन शिक्षार्थियों को अपने करियर या निजी जीवन को रोके बिना एक कौशल और योग्यता हासिल करने में सक्षम बनाता है।

4.2 सुलभता : यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सुलभ है, जिसमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें भौगोलिक, वित्तीय या व्यक्तिगत बाधाओं के कारण पारंपरिक, ऑन-कैंपस शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। विविध पृष्ठभूमि और स्थानों के शिक्षार्थी भौतिक परिसर में स्थानांतरित या आवागमन किए बिना कार्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं, जिससे शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों तक पहुँच बढ़ जाती है।

4.3 स्वाध्याय से सीखना: दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम स्वयं से सीखने के तरीकों को अपनाता है, जिससे शिक्षार्थी अपनी गति से पाठ्यक्रम में आगे बढ़ सकते हैं। यह स्व-निर्देशित शिक्षण मॉडल शिक्षार्थियों को अपनी शिक्षा पर नियंत्रण रखने, रुचियाँ कमज़ोरी के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी व्यक्तिगत सीखने की ज़रूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार समय और संसाधन आवंटित करने का अधिकार देता है।

4.4 कम लागत : यह कार्यक्रम पारंपरिक ऑन-कैंपस कार्यक्रमों की तुलना में अधिक लागत-प्रभावी है, क्योंकि उन्हें आमतौर पर कम भौतिक संसाधनों और बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, शिक्षार्थी परिवहन, आवास और व्यक्तिगत रूप से कक्षाओं में भाग लेने से जुड़े अन्य आकस्मिक खर्चों पर बचत कर सकते हैं। कुल मिलाकर, ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड में हिंदी में एमए कार्यक्रम आयोजित करना विशिष्ट कौशल और क्षमता हासिल करने के लिए अत्यधिक उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि यह लचीलापन, पहुँच,

स्व-गतिसे सीखने, प्रौद्योगिकी-वर्धित निर्देश, लागू सीखने के अवसर, व्यक्तिगत सहायता और लागत-प्रभावशीलता प्रदान करता है। ये विशेषताएं ओडीएल कार्यक्रम को उन शिक्षार्थियों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं जो अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करते हुए हिन्दी में अपने कौशल और दक्षताओं को बढ़ाना चाहते हैं।

5.

विशिष्ट कौशल और योग्यता प्राप्त करने के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड का अनुदेशात्मक डिज़ाइन: विशिष्ट कौशल और योग्यता प्राप्त करने के लिए मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) हिन्दी कार्यक्रम के ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के लिए अनुदेशात्मक रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रभावशीलता, जुड़ाव और शिक्षार्थी की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता होती है।

क. पाठ्यक्रम डिज़ाइन

इस पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित कर 100 क्रेडिट के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) तीन सत्रों में विभाजित है। प्रथम सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र मूल (कोर) तथा द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों में दो मूल (कोर) एवं दो वैकल्पिक (इलेक्टिव) और चतुर्थ सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों में एक मूल (कोर) तथा तीन वैकल्पिक (इलेक्टिव) प्रश्नपत्र समाहित किये गये हैं जो अन्तरानुशासनिक समझ को विस्तार देने के लिए हैं। सभी विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट का भी प्रावधान है जिस से वे शोधोन्मुख हो सकें। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान करना भी है, जिस से विद्यार्थी समाज, राष्ट्र और विश्व के बदलते सरोकारों से सामंजस्य बिठा सके। उसके भाषा कौशल, लेखन क्षमता का विकास हो। रचनात्मक लेखन, शोध प्रविधि, रंगमंच, हिन्दी सिनेमा तथा भारतीय साहित्य आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थी के विवेक-विस्तार में सहायक होंगे।

ख. विस्तृत पाठ्यक्रम- अनुलग्नक-1

ग. कार्यक्रम की अवधि: 02 वर्ष; 04 सेमेस्टर्स में विभाजित है।

घ. शैक्षणिक स्टाफ

50 छात्रों के प्रति बैच में 1-कार्यक्रम समन्वयक, 1-पाठ्यक्रम समन्वयक, 1-पाठ्यक्रम संरक्षक।

इ. निर्देशात्मक प्रतिपादित तंत्र और मीडिया की उपादेयता (Instructional Delivery mechanisms & Identification of Media)

इस विषय की शिक्षण पद्धति अन्य पारंपरिक पद्धतियों से अलग होगी। दूरस्थ पाठ्यक्रमों में छात्र-केंद्रित और छात्र-अनुकूल दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सीखना और सिखाना आमने-सामने के बजाय संचार/प्रिंट माध्यम से दिया जाता है।

6. प्रिंट मीडिया में स्व-शिक्षण सामग्री (एसएलएम) विकसित की जानी चाहिए

- स्वव्याख्यात्मक-स्व (एसएलएम) सामग्री शिक्षण-, आत्मनिर्भर, स्व-निर्देशित, स्व होगी। योग्य मूल्यांकन-स्व और प्रेरित-
- एसएलएम में मॉड्यूल के अवलोकन के साथउद्देश्यों साथ-, गतिविधियों, कार्यों और अतिरिक्त संसाधनों सहित एक पूर्ण पाठ्यक्रम विवरण शामिल होगा।
- पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई या इकाई के लिए स्वीकृत क्रेडिट का विवरण होना चाहिए।
- गतिविधियों, चर्चाओं और साहित्यिक चोरी के संबंध में शैक्षणिक अखंडता और नेटिकेट अपेक्षाओं के बारे में स्पष्ट दिशानिर्देश होने चाहिए।
- प्रस्तुति और भाषा का स्तर और शैली ई-लर्निंग को सुविधाजनक बनाने के लिए सरल और उपयुक्त होनी चाहिए।

- छात्रों की रुचि बनाए रखने के लिए सामग्री को ग्राफिक्स, एनीमेशन सिमुलेशन आदि के उचित उपयोग के साथ इंटरैक्टिव होना चाहिए।

7. छात्र सहायता सेवा प्रणालियाँ

छात्र सहायता सेवा प्रणालियों का मुख्य लक्ष्य स्वतंत्र अध्ययन को बढ़ावा देना है। नियमित आमने-सामने शिक्षण के अभाव में दूरस्थ शिक्षार्थियों के बीच अध्ययन के लिए छात्रों को हर समय शैक्षिक सहायता प्रदान की जाएगी। छात्रों को निम्नलिखित क्षेत्र में हर समय सहायता उपलब्ध रहेगी:

- कार्यक्रम के बारे में जानकारी, सुझाव और सलाह।
- प्रवेश से पहले, प्रवेश के दौरान और प्रवेश के बाद सलाह।
- नए छात्रों के लिए परिचय।
- शैक्षणिक सलाह कार्यक्रम और अभ्यास कार्यक्रम प्रदान करना।
- छात्रों का मूल्यांकन करना और फीडबैक का आदानकरना। प्रदान-
- पंजीकरण और परीक्षा रेटिंग, टिप्पणियाँ आदि जैसी अन्य शैक्षणिक और प्रशासनिक पूछताछ में सहायता करना।

8. प्रवेश, पाठ्यक्रम संचालन और मूल्यांकन की प्रक्रिया

दूरस्थ शिक्षा एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम प्रदान करने का उद्देश्य विविध शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करना तथा सुगम्यता, लचीलापन, लागत प्रभावशीलता, वैश्विक पहुंच, आजीवन शिक्षा और कौशल विकास के साथ उच्च शिक्षा तक पहुंचने में विभिन्न चुनौतियों का समाधान करना है।

क. प्रवेश की प्रक्रिया:

न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाला कोई भी स्नातक एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

कार्यक्रम की लागत का अनुमान और प्रावधान

एम. ए हिन्दी कार्यक्रम के लिए सुझाई गई शुल्क सी. एस. जे. एम. विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार है (इन लागतों में स्व-शिक्षण सामग्री लागत, शिक्षण प्रबंधन प्रणाली रखरखाव लागत और विषय वस्तु विशेषज्ञ लागत शामिल है)।

पाठ्यक्रम संरचना और मूल्यांकन

मूल्यांकन को दो भागों में विभाजित किया गया है:

- A. परियोजनाओं और असाइनमेंट लेखन के माध्यम से निरंतर आंतरिक मूल्यांकन (CIA) के लिए, और
- B. ऑफलाइन परीक्षा के माध्यम से प्रत्येक सेमेस्टर अंत में (ESE) मूल्यांकन के लिए।

9. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम

A. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र

ऑनलाइन एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम नवीनतम शिक्षाशास्त्र से जुड़ा हुआ है और आपको आपके पेशेवर जीवन में आने वाले कई बदलावों के लिए तैयार करता है। मुख्य बिंदु जो हमारे प्रस्तावित कार्यक्रम को मूल्यांकन मानदंडों के संदर्भ में बेहतर बनाते हैं:

- यह कार्यक्रम NAAC A⁺⁺ रैंक वाले छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा पेश किया जा रहा है।
- उच्च योग्यता प्राप्त संकाय जो कक्षा में पेशेवर अनुभव लाते हैं।
- प्रासंगिक पाठ्यक्रम जो कार्यस्थल पर तुरंत लागू होते हैं।
- समर्पित छात्र सहायता सेवाएँ।
- सीखने के लचीले तरीके।

B. अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम

क. व्यवसाय प्रक्रियाओं और प्रबंधन का ज्ञान:

व्यवसाय प्रबंधन अवधारणाओं और वर्तमान व्यवसाय प्रथाओं में उनके पास व्यापक ज्ञान है। पर्यावरण और उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ व्यवसायों को समर्थन और बनाए रखने के लिए हैं।

ख. अनुसंधान और व्यावसायिक बुद्धिमत्ता कौशल:

- i) क्रियात्मक जानकारी को बढ़ाने, संश्लेषित करने और विश्लेषण करने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक कौशल प्राप्त करें।
- ii) सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यावसायिक समाधान प्रदान करने के लिए सैद्धांतिक और तकनीकी ज्ञान और कौशल लागू करें।

ग. समस्या समाधान और निर्णय लेने का प्रशिक्षण:

श्रम समस्याओं का व्यवहार्य समाधान प्रदान करने के लिए समस्या की पहचान, निर्णय लेने और तार्किक चिंतन एवं कार्य निष्पादन में कौशल हासिल करें।

घ. रचनात्मकता और नवाचार की तलाश करने वाले:

- i) रचनात्मकता और नवाचारों की प्रकृति की व्याख्या करें और विचारों को अवसरों और कार्य में बदलें।
- ii) दिखाएँ कि रचनात्मकता और नवाचार कैसे आरंभ, शामिल और प्रबंधित किए जाते हैं।

इ. अंतर्सांस्कृतिक संचार:

अंतर्राष्ट्रीय और बहुसांस्कृतिक संदर्भों में प्रभावी ढंग से संवाद करें और सहयोग को सुविधाजनक बनाएं।

च. टीमवर्क:

A. टीम के सदस्य के रूप में काम करने और सहयोग करने की क्षमता है और टीम के उद्देश्यों की प्राप्ति में योगदान देता है।

B. प्रभावी प्रसार के लिए दूसरों के साथ जिम्मेदारी से सहयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करता है।

C. उन्नत व्यवसाय और संचार कौशल का उपयोग करके विभिन्न दर्शकों के लिए सीखना/परियोजना परिणाम।

छ. वैश्विक नागरिक/नैतिकता:

A. व्यावसायिक नैतिकता के मूल सिद्धांतों को परिभाषित, व्याख्या और स्पष्ट करें और वैश्विक नागरिक बनें,

B. नैतिक व्यवहार के महत्व को पहचानें, समझाएं और स्पष्ट करें और उससे जुड़ी नैतिक समस्याओं का समाधान करें।

पाठ्यक्रम संरचना

Year/ Semester	COURSE CODE	TYPE	COURSE TITILE	CREDITS	CIA	ESE	MAX. MARKS
Ist Year/ Ist Sem	A010701TODL	CORE	हिन्दीकाव्यकाइतिहास	5	25	75	100
	A010702TODL	CORE	साहित्यालोचन	5	25	75	100
	A010703TODL	CORE	प्राचीनएवंमध्यकालीनकाव्य	5	25	75	100
	A010704TODL	CORE	कथासाहित्य	5	25	75	100

Year/Semester	COURSE CODE	TYPE	COURSE TITILE	CREDITS	CIA	ESE	MAX. MARKS
Ist Year/ IInd Sem	A010801TODL	CORE	हिन्दीगद्यकाइतिहास	5	25	75	100
	A010802TODL	CORE	हिन्दीनाटकतथाएकांकी	5	25	75	100
	A010803TODL	ELECTIVE	मीडियालेखन	5	25	75	100
	A010804TODL		सृजनात्मकलेखन	5	25	75	100
	A010805TODL	ELECTIVE	भाषाप्रौद्योगिकी	5	25	75	100
	A010806TODL		शोधात्मकलेखन	5	25	75	100

	A010807TODL	PROJECT	लघुशोधपरियोजना	8	25	75	100
	A010804TODL	MINOR ELECTIVE	FROM OTHER FACULTY (IN 1ST YEAR)	4/5/6	25	75	100

Year/Semester	COURSE CODE	TYPE	COURSE TITILE	CREDITS	CIA	ESE	MAX. MARKS
IInd Year/ IIIrd sem	A010901TODL	CORE	आधुनिकहिन्दीकाव्य	5	25	75	100
	A010902TODL	CORE	कथेतरगद्यसाहित्य	5	25	75	100
	A010903TODL	ELECTIVE	कबीरदास	5	25	75	100
	A010904TODL		सूरदास				
	A010905TODL		तुलसीदास				
	A010906TODL		प्रेमचन्द				
	A010907TODL		जयशंकरप्रसाद				
	A010908TODL		आचार्यरामचन्द्रशुक्ल				
	A010909TODL	ELECTIVE	हिन्दीरंगमंच	5	25	75	100
	A010910TODL		साहित्यएवंसिनेमा				

Year/ Semester	COURSE CODE	TYPE	COURSE TITILE	CREDITS	CIA	ESE	MAX. MARKS
IInd Year/ IVth sem	A011001TODL	CORE	अस्मितामूलकविमर्श	5	25	75	100
	A011002TODL	ELECTIVE	नीतिकाव्य	5	25	75	100
	A011003TODL		शैलीविज्ञान				
	A011004TODL	ELECTIVE	भारतीयसाहित्य	5	25	75	100
	A011005TODL		हिन्दीत्तरक्षेत्रकाहिन्दीसाहित्य				
	A011006TODL	ELECTIVE	हिन्दीविज्ञानलेखन	5	25	75	100
	A011007TODL		हिन्दीकेक्षेत्र, लोकशैलियाँतथा लोकसाहित्यके विविधआयाम				
	A011008TODL	PROJECT	लघुशोधपरियोजना	8	25	75	100

छत्रपतिशाहूजीमहाराजविश्वविद्यालयकानपुरकेपरास्नातकहिन्दीविषयकाप्रस्तावितपाठ्यक्रम

ठ्यक्रम

प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर (सेमेस्टर- VII, चतुर्थवर्षशोधसहितस्नातक के लिए)

1	प्रथम प्रश्नपत्र (कोर)	हिन्दीकाव्यकाइतिहास	5 क्रेडिट
2	द्वितीयप्रश्नपत्र (कोर)	साहित्यालोचन	5 क्रेडिट
3	तृतीयप्रश्नपत्र (कोर)	प्राचीनएवंमध्यकालीनकाव्य	5 क्रेडिट
4	चतुर्थप्रश्नपत्र (कोर)	कथासाहित्य	5 क्रेडिट

प्रथम वर्ष, द्वितीयसेमेस्टर (सेमेस्टर- VIII, चतुर्थवर्षशोधसहितस्नातक के लिए)

1-	प्रथमप्रश्नपत्र (कोर)	हिन्दीगद्यकाइतिहास	5 क्रेडिट
2-	द्वितीयप्रश्नपत्र (कोर)	हिन्दीनाटकतथाएकांकी	5 क्रेडिट
3-	तृतीयप्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक	A. मीडियालेखन अथवा B. सृजनात्मकलेखन	5 क्रेडिट

4-	चतुर्थप्रश्नपत्र (इलेक्टिव) -वैकल्पिक	A. भाषाप्रौद्योगिकी अथवा B. शोधात्मकलेखन	5 क्रेडिट
5-	पंचम प्रश्नपत्र	लघुशोधपरियोजना	8 क्रेडिट

नोट: प्रथम वर्ष (चतुर्थवर्षशोधसहितस्नातक) में 8 क्रेडिटकीलघुशोधपरियोजनाएवंमौखिकीकाचयनकियाजायेगा।इसकेअन्तर्गतसर्वेक्षण, संकलन, लघुशोधआदिसम्मिलितहै।विद्यार्थीद्वाराशोधपरियोजनापरबाह्यपरीक्षकद्वारामौखिकीकीपरीक्षालीजायेगी।परियोजनाकामूल्यांकन 50 अंकतथामौखिकी 50 अंककीहोगी।

सेमेस्टर - IX

1-	प्रथमप्रश्नपत्र (कोर)	आधुनिक हिन्दी काव्य	5 क्रेडिट
2-	द्वितीयप्रश्नपत्र (कोर)	कथेतर गद्य साहित्य	5 क्रेडिट
3-	तृतीयप्रश्नपत्र (इलेक्टिव) - वैकल्पिक(किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)	A. कबीर A. सूरदास C. तुलसीदास D. प्रेमचंद E. जयशंकर प्रसाद F. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	5 क्रेडिट

4-	चतुर्थप्रश्नपत्र (इलेक्टिव) वैकल्पिक	- A. हिन्दी रंगमंच अथवा B. सिनेमा अध्ययन	5 क्रेडिट
5 -	पंचम प्रश्नपत्र	लघुशोधपरियोजना	8 क्रेडिट

सेमेस्टर - IX

1-	प्रथमप्रश्नपत्र (कोर)	अस्मितामूलक विमर्श	5 क्रेडिट
2-	द्वितीयप्रश्नपत्र (इलेक्टिव) - वैकल्पिक	नीति काव्य अथवाशैली विज्ञान	5 क्रेडिट
3-	तृतीयप्रश्नपत्र (इलेक्टिव) - वैकल्पिक (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)	A. भारतीयसाहित्यअथवा B. हिन्दीत्तरक्षेत्रकाहिन्दीसाहित्य	5 क्रेडिट
4-	चतुर्थप्रश्नपत्र (इलेक्टिव) - वैकल्पिक	A. हिन्दीविज्ञानलेखनअथवा B. हिन्दीकेक्षेत्र, लोकशैलियोंतथालोकसाहित्यकेविविध	5 क्रेडिट
5 -	पंचम प्रश्नपत्र	लघुशोधपरियोजना	8 क्रेडिट

नोट:

1. द्वितीयवर्ष के द्वितीय सेमेस्टरमें 8 क्रेडिटकीलघुशोधपरियोजनाएवंमौखिकीकाचयनकियाजायेगा। इसकेअन्तर्गतसर्वेक्षण, संकलन, लघुशोधआदिसम्मिलितहै। विद्यार्थीद्वाराशोधपरियोजनापरबाह्यपरीक्षकद्वारामौखिकीकीपरीक्षालीजायेगी। परियोजनाकामूल्यांकन 50 अंकतथामौखिकी 50 अंककीहोगी।

2. 4

क्रेडिट का पाठ्यक्रम अन्तर्गत् विषय कहने के कारण छात्र किसी अन्य विषय के किसी अन्य पाठ्यक्रम या हिन्दी के उन वैकल्पिक प्रश्न पत्रों को चयन करके पूर्ण करेगा जो उसने अभी तक चयन नहीं किया।

PROGRAM: M. A. , SUBJECT: HINDI

NOTE:

1. A Minor Elective from other faculty shall be chosen In 1st Year (Either Ist / IInd Semester) as per availability.
2. In both years of PG program, there will be a Research Project or equivalently a research- oriented Dissertation as per guidelines issued earlier and will be of 4 credit (4hr/week), in each semester. The student shall submit a report/dissertation for evaluation at the end of the year, which will be therefore of 8 credits and 100 marks
3. Research project can be done in form of Internship/Survey/Field work/Research project/ Industrial training, and a report/dissertation shall be submitted that shall be evaluated via seminar/presentation and viva voce.
4. The student straight away will be awarded 25 marks if he publishes a research paper on the topic of Research Project or Dissertation

महत्त्वपूर्णनिर्देशः

1. प्रथम वर्ष
(चतुर्थवर्षशोधसहितस्नातक) के प्रथम सेमेस्टर में चार अनिवार्य प्रश्नपत्र निर्धारित हैं।
प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंकी लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का है।
2. प्रथम वर्ष
(चतुर्थवर्षशोधसहितस्नातक) के द्वितीय सेमेस्टर में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा दो वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंकी लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
3. प्रथम वर्ष (चतुर्थवर्षशोधसहितस्नातक) के द्वितीय सेमेस्टर में 8 क्रेडिट कालघुशोधपरियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जाएगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित हैं। मौखिक परीक्षा 50 अंक तथा परियोजना कार्य 50 अंक का निर्धारित है।
4. द्वितीय वर्ष के प्रथम सेमेस्टर में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा दो वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंकी लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
5. द्वितीय वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में एक अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंकी लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
6. द्वितीय वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में 8 क्रेडिट कालघुशोधपरियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जाएगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित हैं। मौखिक परीक्षा 50 अंक तथा परियोजना कार्य 50 अंक का निर्धारित है।

प्रथमप्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - I
Subject: Hindi		
Course Code: A010701TODL	Course Title: हिन्दीकाव्यकाइतिहास	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - इस पाठ्यक्रम में इतिहास की अवधारणा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी के प्रमुख इतिहास ग्रन्थों और साहित्यिक केन्द्रों पर विचार करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास का गहन अध्ययन अपेक्षित है। Course Learning Outcomes - इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी - हिन्दी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 इतिहास दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन पद्धति - इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास - साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धान्त : विधेयवादी, मार्क्सवादी संरचनावादी इत्यादि - हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ और विभिन्न इतिहास दृष्टियाँ - काल विभाजन का आधार, साहित्यिक प्रवृत्तियों का अन्तर्संबंध - सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक सन्दर्भ	
	Unit-2 इतिहास-दर्शन तथा आदिकाल - इतिहास और आलोचना, इतिहास और अनुसंधान - उत्तर आधुनिकतावाद, नव्य इतिहासवाद तथा साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी, किन्नर एवं पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य - साहित्येतिहास दर्शन के समकालीन सिद्धांत - साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख अवधारणाएँ: मध्ययुगीनता, पुनर्जागरण और आधुनिकता - काल-विभाजन और उसकी समस्याएँ - नामकरण की समस्या पृष्ठभूमि: विभिन्न परिस्थितियाँ	

Block-II	Unit-1 आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य ● रासोकाव्य:परंपरा, प्रमुखप्रवृत्तियाँ ● प्रमुखकवि (चंदबरदाई, जगनिक, अमीरखुसरो, विद्यापति) Unit-2 भक्तिकाल: ● भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण ● सगुण एवं निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ ● प्रमुख एवं गौण कवितथा उनका काव्य (कबीर, रविदास, दादू, सुंदरदास, कुतुबन, मंझन जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास) ● निर्गुण एवं सगुण काव्य धाराएँ: प्रमुख विशेषताएँ
Block- III	Unit-1 रीतिकाल ● दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य ● नामकरण की समस्या ● पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ Unit -2 प्रमुख एवं गौण कवितथा उनका काव्य ● (केशव, बिहारी, देव, मतिराम, धनानंद, बोधा, आलम, गुरुगोविंदसिंह, रज्जब) ● रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य धाराओं की विभेदक विशेषताएँ
Block-IV	Unit-1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: ● सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक (1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजनीतिक इतिहास, नवजागरण) ● भारतेन्दु युग: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ ● द्विवेदी युग: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ ● छायावाद: प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ Unit- 2 प्रगतिशील आन्दोलन और हिन्दी साहित्य ● सन् 1936 के आसपास स्वाधीनता आन्दोलन में परिवर्तन ● साहित्य में युगान्त का अनुभव ● प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ ● प्रगतिवाद, प्रयोगवाद ● स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य- देश विभाजन और साहित्य ● नई कविता और समकालीन कविता

प्रस्तावित पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका: हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. रीतिकाव्य की भूमिका: डॉ. नागेन्द्र

4. हिंदीसाहित्यकाइतिहासःसंपादकडॉ. नागेन्द्र
5. साहित्यकाइतिहासदर्शनःनलिनविलोचनशर्मा
6. हिंदीसाहित्यकाआलोचनात्मकइतिहासःरामकुमारवर्मा
7. साहित्यऔरइतिहासदृष्टिःमैनेजरपांडेय
8. मध्यकालीनबोधकास्वरूपःहजारीप्रसादद्विवेदी
9. हिंदीसाहित्यकाअतीत (भाग 1, 2) : विश्वनाथप्रसादमिश्र
10. हिंदीसाहित्यकाइतिहासःपूरनचंद, टंडन, विनीताकुमारी
11. अप्रभंशसाहित्यःहरिवंशकोछड़
12. आदिकालीनहिंदीसाहित्यकीसांस्कृतिकपृष्ठभूमिःराममूर्तित्रिपाठी
13. साहित्यऔरइतिहासदृष्टिःमैनेजरपांडेय
14. हिंदीकागद्यसाहित्यः रामचंद्रतिवारी
15. हिंदीकाव्यकाइतिहासःरामस्वरूपचतुर्वेदी
16. हिंदीकविताकाप्रवृत्तिगतइतिहासःपूरनचंदटंडनएवंविनीताकुमारी
17. हिंदीसाहित्यतिहासकीभूमिका (भाग-3) : सूर्यप्रसाददीक्षित
18. हिंदीसाहित्यऔरसंवेदनाकाविकासःरामस्वरूपचतुर्वेदी



द्वितीयप्रश्नपत्र(कोर)

Programme/Class		M. A. – I Year	Semester – I
Subject: Hindi			
Course Code: A010702TODL		Course Title: साहित्यालोचन	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30	
Course Objective - हिन्दीकेप्रमुखआलोचकोंकीआलोचनात्मकअवधारणाओं, पद्धतियोंएवं प्रतिमानोंकाउनकीकृतियोंकेआलोकमेंगहनअध्ययन Course Learning Outcomes - हिंदी साहित्य में आलोचना का विशिष्ट ज्ञान - प्रमुख आलोचक और आलोचनात्मक कृतियों की समझ विकसित होगी			
Block	Unit Detail		
Block-I	Unit-1 आलोचना की अवधारणा एवं पृष्ठभूमि - आलोचना:अर्थ एवं अवधारणा - हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि		
	Unit-2 हिन्दीआलोचनाकेउदयकीपरिस्थितियाँ - प्रारंभिकहिंदीआलोचनाकास्वरूप - पाश्चात्यसाहित्यलोचनऔरहिंदीआलोचना		
Block-II	Unit-1 हिन्दीआलोचनापद्धतियाँ - स्वच्छन्तावादी - मनोविश्लेषणवादी - मार्क्सवादी - नईसमीक्षा - अन्यआधुनिकसमीक्षापद्धति		
	Unit-2 हिन्दीआलोचनाकाऐतिहासिकविकासक्रम - भारतेन्दुयुगीन आलोचना - द्विवेदीयुगीन आलोचना		

Block-III	Unit-1 शुक्लयुगीनहिन्दीआलोचना • आचार्यरामचन्द्रशुक्ल:सैद्धान्तिकचिन्तनएवंव्यावहारिकपक्ष • हजारी प्रसाद दिवेदी : परम्परा का मूल्यांकन, इतिहास दृष्टि और मध्ययुगीनता की अवधारणा Unit-2 शुक्लोत्तरयुगीनहिन्दीआलोचना • शुक्लोत्तर आलोचना • प्रगतिशील आलोचना • स्वातन्त्र्योत्तरहिन्दीआलोचना
Block-IV	Unit-1हिन्दीकेप्रमुखआलोचक • नन्ददुलारे वाजपेयी • डॉ० नगेन्द्र • रामविलास शर्मा • शिवदान सिंह चौहान • नामवर सिंह Unit-2हिन्दीकेप्रमुखकवि आलोचक • अज्ञेय • मुक्तिबोध • शमशेर • विजयदेव नारायण शाही • अशोक वाजपेयी

प्रस्तावितपुस्तकें

1. काव्यशास्त्र, भगीरथमिश्र, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी।
2. पाश्चात्यकाव्यशास्त्र, भगीरथमिश्र, विश्वविद्यालयप्रकाश, वाराणसी।
3. काव्यशास्त्रकीरूपरेखा, रामदत्तभारद्वाज।
4. रसमीमांसा, रामचन्द्रशुक्ल।
5. आलोचकऔरआलोचना, बच्चनसिंह।
6. हिन्दीसीमक्षा, स्वरूपऔरसौन्दर्य, रामदरशमिश्र
7. सौन्दर्यशास्त्र, हरद्वारीलालशर्मा
8. हिन्दीआलोचना, पहचानऔरपरख, इन्द्रनाथमदान, राधाकृष्णप्रकाशन।
9. संवेदनाकेस्तर, राजमलवोस।
10. संवेदनाऔरसौन्दर्य, राजमलवोरा।
11. साहित्यलोचन, श्यामसुन्दरदास, काशी।
12. आधुनिकहिन्दीआलोचनापरपाश्चात्यप्रभाव, रामचन्द्रप्रसाद।
13. सिद्धान्तऔरअध्ययन, गुलाबराय, आत्मारामएण्डसन्स, दिल्ली।
14. शास्त्रीयसमीक्षाकेसिद्धान्त (दोनोंभाग), गोविन्दत्रिगुणायत।
15. समीक्षाकेपाश्चात्य मानदण्ड, राजेन्द्रवर्मा, म.प्र. हिन्दीग्रंथअकादमी।

16. हिन्दीआलोचना, विश्वनाथत्रिपाठी, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
17. समीक्षाकीसमस्याएँ (मुक्तिबोधरचनावली-5 मेंसंकलित), गजाननमाधवमुक्तिबोध, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
18. दूसरीपरम्पराकीखोज, नामवरसिंह, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
19. आचार्यरामचन्द्रशुक्लाऔरहिन्दीआलोचना, रामविलासशर्मा, राजकमलप्रकाश, दिल्ली।
20. हिन्दीआलोचनाकाविकास, नन्दकिशोरनवल, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
21. सौन्दर्यशास्त्रकेतत्त्व, कुमारविमल, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
22. हिन्दीआलोचनाकीबीसवींसदी, निर्मलाजैन, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
23. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीयऔरऐतिहासिकआलोचना, शीतांशु, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।
24. हिन्दीआलोचना, उद्भवऔरविकास, भगवतस्वरूपमिश्र।
25. डा० नागेन्द्रकेआलोचनासिद्धान्त, नारायणप्रसादचौबे
26. रामविलासशर्माविशेषांक, (आलोचनापत्रिकाअंक 60-61)
27. शान्तिनिकेतनसेशिवालिकतक, संशिवप्रसादसिंह।



तृतीयप्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - I
Subject: Hindi		
Course Code: A010703TODL	Course Title: प्राचीन एवं मध्यकालीन काल	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - हिंदी साहित्य के आदिकालीन काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - हिंदी साहित्य के भक्तिकालीन काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना Course Learning Outcomes - हिंदी साहित्य के आदिकालीन और मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान - प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित करना		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 विद्यपति (संपादक-रामवृक्षबेनीपुरी) पद: 1, 2, 5, 10, 18, 23, 27, 29, 36, 42 (कुल 10 पद) अथवा	
	Unit-2 पृथ्वीराज रासउ (संपादक-माताप्रसादगुप्त): कयमासवध	
Block-II	Unit-1 कबीर: (संपादक-हजारीप्रसादद्विवेदी) - पद संख्या: 35, 108, 112, 123, 126, 134, 153, 168, 181, 206 (कुल 10 पद) - साखी संख्या: 103, 113, 139, 157, 190, 191, 199, 200, 201, 231 (कुल 10 पद)	
	Unit-2 जायसी: (संपादक-रामचन्द्रशुक्ल) नागमतीवियोगखंड	
Block-III	Unit-1 सूरदास: - भ्रमरगीत: सार (संपादक-रामचन्द्रशुक्ल) - पदसंख्या- 3, 4, 7, 9, 11, 16, 18, 21, 22, 24, 30, 34, 37, 42, 45, 52, 62, 75, 85, 100 (कुल 20 पद)	
	Unit-2 तुलसीदास: रामचरितमानस: अयोध्याकाण्ड- दोहासंख्या 185 से अन्त तक	
Block-IV	Unit-1 बिहारीरत्नाकर-जगन्नाथदासरत्नाकर (संपादक) दोहासंख्या- 1, 5, 7, 15, 19, 20, 21, 22, 25, 38, 42, 45, 71, 85, 91, 99, 106, 127, 135, 146, 151, 171, 188, 201 (कुल 25 पद)	
	Unit-2 धनानंदग्रंथावली- (संपादक) विश्वनाथप्रसादमिश्र	

- | | |
|--|---|
| | ● पदसंख्या- 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 21, 22, 24, 25, 26 (कुल 15 पद) |
|--|---|

प्रस्तावितपुस्तकें

1. हिन्दीसाहित्यकाआदिकाल, आ०हजारीप्रसादद्विवेदी, पटना
2. कबीर-आ०हजारीप्रसादद्विवेदी, राजकमल, नईदिल्ली
3. हिन्दीकाव्यमेंनिर्गुणसम्प्रदाय, पीताम्बरदत्तबडथवाल, लखनऊ
4. कबीरकीविचारधारा, गोविन्दत्रिगुणायत, साहित्यनिकेतन, कानपुर
5. कबीरएकनईदृष्टि, रघुवंश, इलाहाबाद
6. कबीर, विजयेन्द्रस्नातक, राधाकृष्णप्रकाशन, दिल्ली
7. कबीररहस्यवाद, रामकुमारवर्मा, साहित्यभवन, इलाहाबाद
8. कबीर का अनुशीलन, रामकुमारवर्मा, साहित्यभवन, इलाहाबाद
9. विद्यापति, डा० शिवप्रसादसिंह, साहित्यभवन, इलाहाबाद
10. महाकविविद्यापति, स्थापनाऔरविवेचन, डा० कृष्णनन्दन 'पीयूष' सामयिकप्रकाशन, दिल्ली
11. विद्यापतियुगऔरसाहित्य, डा० अरविन्दनारायणसिन्हा, विनोदपुस्तकमन्दिर, आगरा
12. विद्यापतिठाकुर, शिवनन्दनठाकुर
13. विद्यापितानुशीलन (भाग 1 व 2), डा० वीरेन्द्रश्रीवास्तव, बिहारहिन्दीग्रंथअकादमी
14. चंदरबरदायीऔरउनकाकाव्य:डा० विपिनबिहारीत्रिवेदी, हिन्दुस्तानीएकेडमी, इलाहाबाद
15. रासोऔरसाहित्यपृथ्वीराजरासो, नरोत्तमस्वामी, भारतीविद्यामन्दिर, बीकानेर
16. पदमावतीसमय, डा० विश्वनाथगौड़, साहित्यनिकेतन, कानपुर
17. जायसी, विजयदेवनारायणसाही, इलाहाबाद।
18. पदमावत, (सं) वासुदेवशरणअग्रवाल, झाँसी
19. हिन्दीसूफीकाव्यभूमिका, रामपूजनतिवारी

चतुर्थप्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - I
Subject: Hindi		
Course Code: A010704TODL	Course Title: कथासाहित्य	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective • कथा-साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना • विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes • हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का विशिष्ट ज्ञान • प्रमुख लेखकों और उनकी रचनाओं की समझ विकसित होगी		
Block	Unit Detail	
Block- I	Unit-1उपन्यास • आधुनिकता, मध्यवर्ग और उपन्यास • प्रेमचंद- गोदान Unit-2प्रेमचंदोत्तर उपन्यास • आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास • फणीश्वरनाथरेणु- मैलाआँचल	

Block-II	Unit-1कहानी • आख्यान और कथा-संरचना • आख्यायिका, कथा और कहानी • प्रारंभिक हिन्दी कहानी Unit-2स्वाधीनता पूर्व हिन्दी कहानी • उसनेकहाथा:चंद्रधरशर्मागुलेरी • कफन:प्रेमचंद • मधुआ:जयशंकरप्रसाद
Block-III	Unit-1नई कहानी एवं अन्य कहानी आंदोलन • हिन्दी कहानी पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव Unit-2कहानीकार अमरकांत और मन्नू भंडारी • जिंदगीऔरजोंक:अमरकांत • यहीसचहै:मन्नूभंडारी
Block-IV	Unit-1कहानीकार भीष्म साहनी और फणीश्वरनाथ रेणु • चौफकीदवत: भीष्मसाहनी • तीसरीकसम:फणीश्वरनाथरेणु Unit-2कहानीकार निर्मल वर्मा, उषा प्रियंवदा और ज्ञानरंजन • परिंदे:निर्मलवर्मा • वापसी:उषाप्रियंवदा • पिता:ज्ञानरंजन

प्रस्तावितपुस्तकें:

1. प्रेमचंदऔरउनकायुग:रामविलासशर्मा
2. प्रेमचंद:एकसाहित्यिकविवेचन:नंददुलारेवाजपेयी
3. आजकाहिन्दीउपन्यास:इंद्रनाथमदान
4. मैलाआँचलकीरचना-प्रक्रिया:देवेशठाकुर
5. आधुनिकहिन्दीउपन्यास:सं. नरेंद्रमोहन
6. क्रांतिकाविचारऔरहिन्दीउपन्यास:प्रेमसिंह
7. कहानी:नयीकहानी, नावमरसिंह
8. नयीकहानी:संदर्भऔरप्रकृति, देवीशंकरअवस्थी



प्रथमप्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - II
Subject: Hindi		
Course Code: A010801TODL	Course Title: हिन्दीगद्यकाइतिहास	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - हिंदी गद्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - आधुनिक इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना Course Learning Outcomes - इतिहास लेखन हिंदी गद्य साहित्य के इतिहास की समझ विकसित करना - हिंदी साहित्य के आधुनिक युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन		

Block	Unit Detail
Block-1	Unit-1 खड़ी बोली गद्य का विकास • खड़ी बोली गद्य • नवजागरणकालीन परिस्थितियाँ • आधुनिकगद्यविधाएँ Unit-2 हिन्दीनाट्य एवं कथासाहित्यका इतिहास • हिन्दीनाट्यसाहित्यका इतिहास • हिन्दीकथासाहित्यका इतिहास
Block-2	Unit-1 हिन्दीकेअन्यगद्यविधाओंका इतिहास • निबन्ध • आलोचना Unit-2 हिन्दीकेअन्यगद्यविधाओंका इतिहास • रिपोर्टाज • यात्रावृत्तान्त
Block-3	Unit-1 हिन्दीकेअन्यगद्यविधाओंका इतिहास • संस्मरण • रेखाचित्र Unit-2 हिन्दीकेअन्यगद्यविधाओंका इतिहास • आत्मकथा • जीवनी • डायरी
Block- 4	Unit-1 हिन्दीकेअन्यगद्यविधाओंका इतिहास • पत्रसाहित्य • साक्षात्कार Unit-2 हिन्दीकेअन्यगद्यविधाओंका इतिहास • पत्रपत्रिकाएँ • अन्यगद्यलेखन

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी

3. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास संपादक डॉ. नगेन्द्र
5. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
8. मध्यकालीन बोध का स्वरूप हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1.2) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिंदी साहित्य का इतिहास: पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी
11. अप्रभंश साहित्य: हरिवंश कोछड़
12. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि: राममूर्ति त्रिपाठी
13. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय
14. हिंदी का गद्य साहित्य रामचन्द्र तिवारी
15. हिंदी काव्य का इतिहास: रामस्वरूप चतुर्वेदी
16. हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी
17. हिंदी साहित्यतिहास की भूमिका (भाग-3) :सूर्यप्रसाद दीक्षित
18. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास रू रामस्वरूप चतुर्वेदी

द्वितीयप्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - II
Subject: Hindi		
Course Code: A010802TODL	Course Title: हिन्दी नाटक तथा एकांकी	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective हिंदी साहित्य के नाटक एवं एकांकी का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना		

विभिन्न नाटककारों के नाटकों तथा एकांकियों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के नाटकों एवं एकांकियों का विशिष्ट ज्ञान

प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

Block	Unit Detail
Block-I	Unit-1 नाटक: परंपरा और विकास • नाटक और रंगमंच • नाटक की भारतीय परंपरा • नाटक की पाश्चात्य परंपरा • पारसी थिएटर • नाटक का विकास Unit-2 हिन्दी रंगमंच का विकास • हिन्दी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका • नाटक और एकांकी में अंतर
Block-II	Unit-1 भारतेंदु • भारतदुर्दशा Unit-2 जयशंकरप्रसाद • ध्रुवस्वामिनी
Block-III	Unit-1 मोहनराकेश • आषाढ़काएकदिन Unit-2 डॉ० रामकुमारवर्मा • कौमुदीमहोत्सव
Block IV	Unit-1 जगदीशचन्द्रमाथुर • भोरकातारा Unit-2 भुनवेश्वर • स्ट्राइक Unit-3 उपेन्द्रनाथ 'अशक' • लक्ष्मीकास्वागत

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास दशरथ ओझा भुवनेश्वर
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच नेमिचंद्र जैन

3. हिंदी नाटक समाजशास्त्रीय अध्ययन: सीताराम झा
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र: रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता प्रभाकर श्रोत्रिय
7. प्रसाद के नाटक: देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश: साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि: मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक प्रगति और प्रभाव: दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक: नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक: मिथक और यथार्थ रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक: आजकल जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य: नगेंद्र



तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - II
Subject: Hindi		
Course Code: A010803TODL	Course Title: A. मीडियालेखन	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective • जनसंचार माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान • जनसंचार और माध्यमों की समझ Course Learning Outcomes • जनसंचार की सैद्धांतिक समझ • जनसंचार जगत के विश्लेषण की क्षमता		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 माध्यमलेखनकास्वरूप, माध्यमलेखनऔरसर्जनात्मकलेखनमेंसाम्य-वैषम्य Unit-2 माध्यमलेखनकामहत्वएवंउपयोगिता	
Block-II	Unit-1 माध्यमलेखनकेप्रमुखबिन्दु:परिचर्चा (विचार, अवधि, आर्थिकव्यय, स्वरूप, भाषा, दृश्यपरिकल्पना), शोध (विद्युतउपकरण, संगीत), अभिनेता, वाचक, वेशभूषा Unit-2 प्रारूप (वनलाइनस्टोरी, कच्चीरूपरेखा, कथाकेआधारपरदृश्यक्रम, कथाकेआधारपरसंवाद) (कैमरामैन, संगीत, ध्वनिएवंप्रकाशव्यवस्थानिर्देशसहितविश्लेषणयाजाँच)	
Block-III	Unit-1 श्रव्यमाध्यमरेडियोहेतु-समाचारलेखनवार्ता, रेडियोनाटकऔरफीचरलेखनकास्वरूपएवंप्रविधि Unit-2 दृश्य-श्रव्यमाध्यम-दूरदर्शनहेतुलेखन, समाचारलेखन, वृत्तचित्र, टेलीफिल्म, धारावाहिकलेखनकास्वरूपएवंप्रविधि	
Block-IV	Unit-1 सोशलमीडिया:लेखनमेंनवाचार Unit-2 गैरकथात्मकलेखनमेंनवाचार Unit-3 ब्लॉगलेखन: परिचयएवंवैशिष्ट्य	

प्रस्तावित पुस्तकें

- 1- कुमार सिद्धनाथ - रेडियो नाटक की कला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
- 2- मंजुल, मुरली मनोहर, प्रसारण की विविध विधा में, साहित्य संगम इलाहाबाद, 1992
- 3- अग्रवाल, पवन - माध्यम लेखन कला, न्यू रॉयल बुक कं०, लखनऊ, 2002
- 4- पचौरी सुधीश - मीडिया और साहित्य, राजसूर्य प्रकाशन, दिल्ली, 1996

तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - II
Subject: Hindi		
Course Code: A010804TODL	Course Title: B. सृजनात्मकलेखन	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective • सृजनात्मक लेखन का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना • सृजनात्मक लेखन और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग Course Learning Outcomes • सृजनात्मक लेखन और साहित्य की सैद्धांतिक समझ • सृजनात्मक लेखन जगत के विश्लेषण की क्षमता		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1सृजनात्मकलेखन: 1 • सृजनात्मकलेखन:काव्यएवंगद्यकासंदर्भ • सृजनात्मकलेखनसेअभिप्राय:स्वरूपएवंआयाम • लेखनकीविषयवस्तुकानिर्धारणएवंचयन • छंदवद्धलेखनएवंमुक्तछंदलेखन	
	Unit-2सृजनात्मकलेखन: 2 • गीतलेखन, मुक्तकलेख, लंबीकविता-लेखन, प्रबंध-लेखन • काव्यकास्वरूपऔररचना:प्रक्रिया • लघुकथा, कहानी, एकांकी, नाटक, उपन्यासआदिकेलेखनकीप्रविधिएवंप्रक्रिया	
Block-II	Unit-1मीडियाएवंफीचरलेखन:1 • मीडियाएवंफीचरलेखनमेंसृजनात्मकअपेक्षातथाआयाम • प्रिंटएवंदृश्य-श्रव्यमाध्यमोंकेलिएलेखनकेक्षेत्रमेंविस्तार • मीडियालेखनमेंसृजनशीलताकावैशिष्ट्य	
	Unit-2मीडियाएवंफीचरलेखन:2 • फीचरलेखनसेअभिप्राय:स्वरूपमहत्वऔरक्षेत्र	

	- फीचरलेखनकीविशेषताएँ - फीचरलेखनकीरचना-प्रक्रिया - रेडियोटी. वी. औरकम्प्यूटरआदिकेलिएसृजनात्मकलेखनकेक्षेत्र, प्रविधिऔरप्रक्रिया
Block-III	Unit-1रेडियो टी. वी. लेखन: 1 - रेडियो टी. वी. लेखनऔरसृजनात्मकता - रेडियोटी. वी. : बच्चोंकेलिएसृजनात्मकलेखन - रेडियोटी. वी. प्रहसन, एकांकीऔरनाट्यलेखन - रेडियोटी. वी. प्रसारण, एनीमेशनऔरसृजनशीलता Unit-2रेडियो टी. वी. लेखन:2 - हास्यव्यंगएवंमनोरंजनविषयकलेखनऔरसृजनशीलता - कृषकों, ग्रामीणोंकेलिएलेखनऔरसृजनात्मकता
Block-IV	Unit-1गद्यकीविभिन्नविधाएँ और सृजनशील लेखन: 1 - गद्यकीविभिन्नविधाओंकालेखनऔरसृजनशीलता - कहानीलेखनऔरसृजनात्मकता - संस्मरण, रेखाचित्रलेखनऔरसृजनधर्मिता Unit-2गद्यकीविभिन्नविधाएँ और सृजनशील लेखन: 2 - संवादलेखनऔरसृजन-धर्म - साक्षात्कारप्रविधिऔरसृजनात्मकबोध - रिपोतार्जलेखन, डायरीलेखन, जीवनीलेखनआदिमेंसृजनात्मकता

प्रस्तावित पुस्तकें

- मीडिया लेखन कला सूर्य प्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल
- हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम वेदप्रताप वैदिक
- फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी
- सूचना प्रौद्योगिकी, हिंदी और अनुवाद स. नीता गुप्ता, पूरनचंद टण्डन
- सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद, सुरेश सिंहल. पूरनचंद टंडन

चतुर्थप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - II
Subject: Hindi		
Course Code: A010805TODL	Course Title: A. भाषाप्रौद्योगिकी	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - भाषाऔरप्रौद्योगिकीकासम्बन्धका विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - भाषाऔरप्रौद्योगिकी माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग Course Learning Outcomes - भाषाऔरप्रौद्योगिकी की सैद्धांतिक समझ - भाषाऔरप्रौद्योगिकी जगत के विश्लेषण की क्षमता		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 भाषा और प्रौद्योगिकी - भाषाकाअर्थतथामहत्व - भाषाऔरप्रौद्योगिकीकासम्बन्ध Unit-2 प्रौद्योगिकी: स्वरूपऔरसंभावनाएँ - वर्तमानपरिदृश्यमेंप्रौद्योगिकीकीआवश्यकता - डिजिटलहिन्दीस्वरूपऔरसंभावनाएँ	
Block-II	Unit-1 हिन्दीटंकण - लिपि, फाण्ट - यूनिकोडतथाकी-बोर्डले-आउट Unit-2 फाण्टपरिवर्तनऔर टंकण - फाण्टपरिवर्तन - टंकणसंकेत - हिन्दीमेंवर्तनीपरीक्षण - वर्तनीपरीक्षणप्रणाली:मानकतथाअमानकप्रयोग	
Block-III	Unit-1 लिप्यान्तरण - ध्वनितथालिपिचिन्ह - देवनागरीतथाअन्यलिपियाँ - विशिष्टवरणतथालोगोग्राम Unit-2 कोशतथाकम्प्यूटर - कोशप्रयोगतथाकम्प्यूटरपरकोशनिर्माण	

	• शब्दवर्गनिर्धारणतथामशीनरीसंसाधन
Block-IV	Unit-1 हिन्दीकीडिजिटलस्थिति • परिचय • उपयोगिता • प्रयोगविधि Unit-2 हिन्दीई-सामग्री • हिन्दीई-सामग्रीकीउपलब्धता • इन्टरनेटपरहिन्दीडोमेन • हिन्दीभाषाशिक्षणऔरई-लर्निंग, ई-पाठशाला

प्रस्तावित पुस्तकें

- 1- भाषा और प्रौद्योगिकी: डॉ० विनोद प्रसाद
- 2- हिन्दी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी: डॉ० दीपक राका तुपे
- 3- हिन्दी का संगणकीय व्याकरण धनजी प्रसाद
- 4- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा डॉ० राजेश तिवारी 'विरल'
- 5- सी. शार्प प्रोग्रामिंग एवं हिन्दी के भाषिक टूल्स धन जी प्रसाद

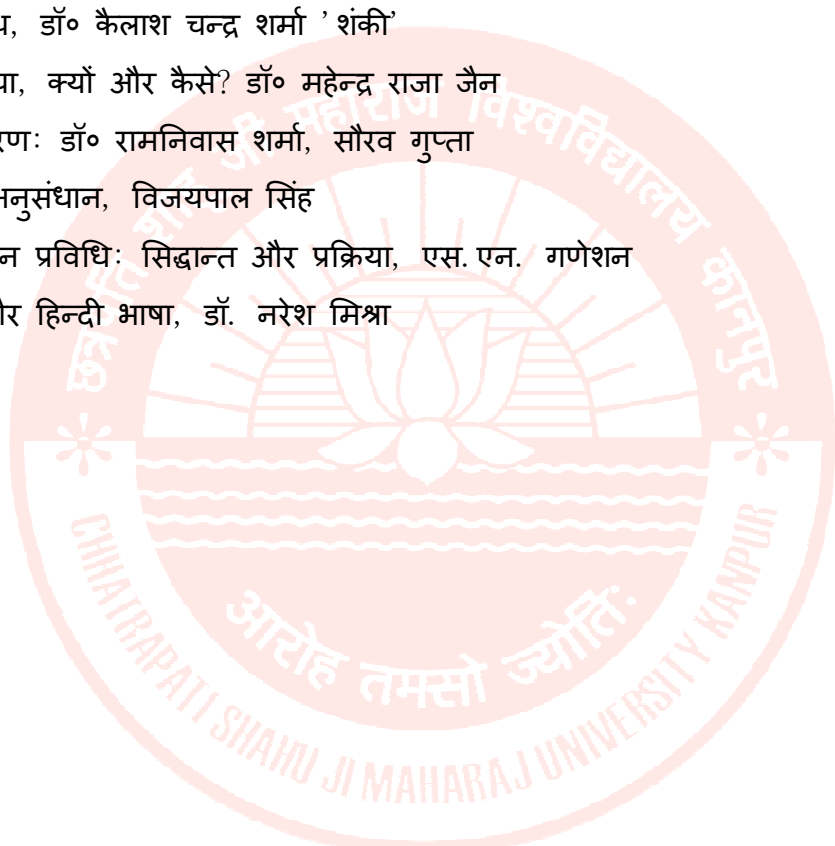
चतुर्थप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - II
Subject: Hindi		
Course Code: A010806TODL	Course Title: B. शोधात्मकलेखन	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective • शोधकीप्रक्रिया, विषय-निर्धारण आदि का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना • शोध-सूचीसंकलन कीविविधप्रणालियों का व्यावहारिक प्रयोग Course Learning Outcomes • शोधकार्यकीवैज्ञानिकप्रणाली की सैद्धांतिक समझ • शोध-सूचीसंकलन कीविविधप्रणालियों की समझ		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1शोधकाअर्थ, स्वरूपएवं परिभाषा • शोधकाअर्थएवं स्वरूप • शोध के विभिन्नपर्यायअनुसंधान, आलोचना, पाठानुसंधानआदिकीपरिभाषा Unit-2शोधकीप्रक्रियाएवं निर्धारण • शोधकीप्रक्रिया, विषय-निर्धारण तथा निर्देशन • शोधकीप्रारम्भिकआवश्यकतायें	
Block-II	Unit-1शोध-सूचीसंकलनकी प्रणालियाँ • शोध-सूचीसंकलन कीविविधप्रणालियाँ- पत्राचार, प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध-पत्र, आधार-ग्रंथआदिकापारायण Unit-2शोधकार्यकीवैज्ञानिकप्रणाली-1 • शोधकार्यकीवैज्ञानिकप्रणालीकार्ड-निर्माण, अनुक्रमणिकाआदितैयारकरना	
Block-III	Unit-1शोधकार्यकीवैज्ञानिकप्रणाली-2 • शोधकार्यकाआकलन, अनुक्रमणिकानिर्माण तथा भूमिका लेखन • पाद-टिप्पणीव परिशिष्ट-लेखन, संदर्भग्रंथसूची Unit-2शोधकार्यकीवैज्ञानिकप्रणाली-3 • पांडुलिपिअवलोकनवसम्पादन • अशुद्धियोंकानिर्मूलनऔरप्रबन्धकाप्रस्तुतिकरण	
	Unit-1शोधकी भाषाकास्वरूप • शोधभाषाकास्वरूप, शोधभाषा, समीक्षा भाषा, सर्जनात्मक भाषामेंसाम्य ववैषम्य	

Block-IV	• शोधचिन्हआरेखतथा अंकआदिकाउपयोग • अनुच्छेदीकरण, विरामांकनआदि
	Unit-2हिन्दीशोधकीपृष्ठभूमि एवं परिदृश्य • हिन्दीशोधकास्वरूप-विकास, उपलब्धियाँवसीमाएँ • सोपाधि वनिरूपाधिशोध

प्रस्तावित पुस्तकें

- 1- शोध पद्धतियाँ, डॉ० बी०एल० फड़िया
- 2- शोध पथ, डॉ० कैलाश चन्द्र शर्मा 'शंकी'
- 3- शोध क्या, क्यों और कैसे? डॉ० महेन्द्र राजा जैन
- 4- शोध चरण: डॉ० रामनिवास शर्मा, सौरव गुप्ता
- 5- हिन्दी अनुसंधान, विजयपाल सिंह
- 6- अनुसंधान प्रविधि: सिद्धान्त और प्रक्रिया, एस.एन. गणेशन
- 7- भाषा और हिन्दी भाषा, डॉ० नरेश मिश्रा



प्रथम प्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class		M. A. – II Year	Semester - III
Subject: Hindi			
Course Code: A010901TODL		Course Title: आधुनिकहिन्दीकाव्य	
CREDITES: 5		MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective			
- हिंदी साहित्य के आधुनिक काव्य के इतिहासका विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान			
Course Learning Outcomes			
- हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान - प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी			
Block	Unit Detail		
Block-I	Unit-1नवजागरण और हिन्दी काव्य		
	- नवजागरणकालीन हिन्दी काव्य - नवजागरण और सामाजिक- सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना		
Block-II	Unit-2मैथिलीशरणगुप्त		
	साकेत) नवम्सर्ग(		
Block-II	Unit-1छायावाद		
	- छायावाद की प्रवृत्तियाँ - जयशंकरप्रसाद: कामायनी -चिन्ता, श्रद्धासर्ग		
Block-II	Unit-2छायावाद		
	- सुमित्रानन्दनपंत:मौननिमंत्रण - सूर्यकान्तत्रिपाठी 'निराला' : रामकीशक्तिपूजा		

Block-III	Unit-1 छायावादोत्तर काव्य - आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ - नागार्जुन:बादलको गिरते रेखा है, अकाल और उसके बाद
	Unit-2 नई कविता - मुक्तिबोध:अंधेरे में - अज्ञेय:असाध्य वीणा
Block-IV	Unit-1 राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा Unit-2 दिनकर: कुरुक्षेत्र (छठवां सर्ग)

प्रस्तावित पुस्तकें

- 1- नयी कविता और अस्तित्ववाद- डॉ० रामविलास शर्मा
- 2- कविता के नए प्रतिमान- नामवर सिंह
- 3- कविता की जमीन और जमीन की कविता- नामवर सिंह
- 4- आधुनिक हिंदी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- 5- समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव
- 6 साकेत एक अध्ययन- नगेन्द्र
- 7- मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंतःसूत्र- कृष्णदत्त पालीवाल
- 8- त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत)- जानकीवल्लभ शास्त्री
- 9 छायावाद के आधार-स्तंभ- गंगाप्रसाद पाण्डेय
- 10- हिन्दी प्रबन्ध काव्यों में छायावादी अवधारणा- डॉ० राजेश कुमार तिवारी 'विरल
- 11- छायावाद- नामवर सिंह
- 12- पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण- दिनकर
- 13 अपराजेय निराला- डॉ० आशीष पाण्डेय
- 14 छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान- सूर्यप्रसाद दीक्षित

- 15- जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी
- 16- कामायनी: एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध
- 17- कामायनी के अध्ययन की समस्या-नगेन्द्र
- 18- निराला की साहित्य साधना, भाग-2-रामविलास शर्मा
- 19- कवि निराला- नंददुलारे वाजपेयी
- 20- निराला : आत्महंता आस्था- दुधनाथ सिंह
- 21- निराला काव्य की छवियाँ- नंदकिशोर नवल



द्वितीयप्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi		
Course Code: A010902TODL		Course Title: कथेतरगद्यसाहित्य
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - हिंदी साहित्य के कथेतर गद्य विधाओं के इतिहासका विश्लेषणात्मक - विभिन्न लेखकों और उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes - हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान - प्रमुख लेखकों व उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 निबंध - रामचंद्रशुक्ल: लोकमंगलकीसाधनावस्था, कविताक्याहै? Unit-2 निबंध - हजारीप्रसादद्विवेदी:कूटज, अशोककेफूल	
Block-II	Unit-1 आत्मकथा - ओमप्रकाशवाल्मीकि:जूठन Unit-2 जीवनी - विष्णुप्रभाकर:आवारामसीहा	
Block-III	Unit-1 रेखाचित्र - महादेवीवर्मा:स्मृति की रेखाएँ (एक) Unit-2 संस्मरण - जगदीशचंद्रमाथुर:जिन्होंनेजीनाजाना	
Block-IV	Unit-1 यात्रावृत्तांत - अज्ञेय:एकबूंदसहसाउछली (यूरोपमीअमरावती:रोमा) Unit-2 पत्रसाहित्य - मुक्तिबोधकेपत्रनेमिचंद्रजैनको	

प्रस्तावित पुस्तकें-

- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा

3. निराला की साहित्य-साधना (भाग 1 व 2) रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
5. कवि मन : अज्ञेय
6. अज्ञेय की काव्यतिथीर्षा नंदकिशोर आचार्य
7. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध महादेवी वर्मा
8. चिंतामणि (भाग 1 व 2): रामचंद्र शुक्ल

तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class		M. A. - II Year	Semester -III
Subject: Hindi			
Course Code: A010903TODL		Course Title: A कबीरदास	
CREDITES: 5		MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - कबीर के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes - कबीर जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान - उनकी कविता की समझ विकसित होगी			
Block	Unit Detail		
Block-I	Unit-1 कबीर के अध्ययन की समस्याएँ - पारंपरिक काव्यशास्त्र एवं कबीर का कवित्व - पारंपरिक काव्य प्रतिमानों की ज्ञान मीमांसा		
	Unit-2 कविता की पारंपरिक अवधारणा और कबीर - भक्ति की ज्ञान मीमांसा और उसका विचार लोक - कबीरग्रन्थावली (आरंभिक 25 पद) : सं० श्यामसुन्दरदास		
Block-II	Unit-1 कबीर की सामाजिक चेतना - कबीर का काव्य व्यक्तित्व - आध्यात्मिक खोज और सामाजिक आलोचना		
	Unit-2 भाषा के डिक्टेटर - कबीर की काव्य भाषा की विशेषताएं - कबीरग्रन्थावली (पद सं. 26 से 50 तक) : सं० श्यामसुन्दरदास		
	Unit-1 कबीर काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि कबीर की संवेदना की बनावट		

Block-III	Unit-2 कबीर के विचार स्रोत भक्ति के सामाजिक सरोकार और कबीर • प्रेम और भावभगति • कबीरग्रन्थावली (पद सं. 51 से 75 तक): सं० श्यामसुन्दरदास
Block-IV	Unit-1 कबीर पंथ का विकास • पंथ निर्माण का ऐतिहासिक तर्क • हिंदी आलोचना और कबीर Unit-2 कबीर का पंथ कबीर और 'अमरदेसवा' • पंथ और सामाजिक अस्मिता • कबीरग्रन्थावली (पद सं 76 से 100 तक): सं० श्यामसुन्दरदास

नोट- व्याख्या के लिए प्राश्निक हेतु कबीर ग्रंथवाली : श्यामसुंदर दास , नागरी प्रचारिणी सभा काशी के आधार पर प्रश्न पत्र बना सकते हैं।

प्रस्तावित पुस्तकें

1. कबीर- आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कबीर की विचारधारा- गोविन्द त्रिगुणायत साहित्य निकेतन, कानपुर
3. आधुनिक कबीर- राजदेव सिंह
4. उत्तर भारत की संत परम्परा- परशुराम चतुर्वेदी, इलाहाबाद, 1972
5. परशुराम चतुर्वेदी- कबीर साहित्य की परख, इलाहाबाद, 1972
6. नामवर सिंह-दूसरी परंपरा की खोज, नयी दिल्ली-1982
7. रघुवंश-कबीर : एक नयी दृष्टि, इलाहाबाद, 1991
8. धर्मवीर- कबीर के आलोचक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1997
9. पुरुषोत्तम अग्रवाल-अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2021
10. Vaundeville, Cherlotte- A Weaver Named Kabir, Delhi, 1993
11. Vaundeville, Cherlotte- Myths, Saints and Legends in Medieval India, Delhi, 1996
12. Sen, K. M. - Medieval Mysticism of India, Delhi, 1974
13. Schomer and Meleod- The Saints, Delhi, 1987
14. Tagore, R. N. - Hundred Poems of Kabir, Mcmillan, 1912

तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi		
Course Code: A010904TODL	Course Title: B सूरदास	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - सूरदास के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes - सूरदास जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान - उनकी कविता की समझ विकसित होगी		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 सूरदास : जीवन	
	Unit-2 सूरदास : रचनाएँ	
Block-II	Unit-1 कृष्ण काव्य और हिन्दी आलोचना	
	Unit-2 कृष्ण कथा की परंपरा और सूरदास	

Block-III	Unit-1 • सूरदास की भक्ति भावना
	Unit-2 • सूर का काव्य और किसान जीवन
Block-IV	Unit-1 • सूरदास की राधा
	Unit-2 • भ्रमरगीत सार (आरंभिक 50 पद), सं० - रामचन्द्र शुक्ल

नोट - व्याख्याकेलिएप्राशिनकनिम्नलिखितग्रंथकेआधारपरप्रश्न-पत्रबनासकतेहैं।

भ्रमरगीत सार (आरंभिक 50 पद), सं० - रामचन्द्र शुक्ल

प्रस्तावित पुस्तकें-

- 1- भ्रमरगीत सार - रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- 2- सूर निर्णय- प्रभुदयाल मित्तल
- 3- अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय- दीनदयाल गुप्त
- 4- भक्ति आन्दोलन और सूर काव्य- मैनेजर पाण्डेय
- 5- सूरदास और उनका साहित्य -हरबंश लाल शर्मा
- 6- सूर साहित्य -हजारी प्रसाद द्विवेदी
- 7- सूरदास और उनका काव्य गोवर्धन लाल शुक्ल
- 8- सूरसौरभ - मुंशीराम शर्मा ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर
- 9- सूर साहित्य: नवमूल्यांकन रावत चन्द्रभान जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
- 10- महाकवि सूरदास जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
- 11- सूर का भ्रमरगीत क अन्वेषण विश्वम्भर नाथ उपाध्याय विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class		M.A. - I Year	Semester - III
Subject: Hindi			
Course Code:A010905TODL		Course Title: C तुलसीदास	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30	
Course Objective • तुलसीदास के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना • उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes • तुलसीदास जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान • उनकी कविता की समझ विकसित होगी			
Block	Unit Detail		
Block-I	Unit-1 • भक्तिकालीन परिवेश और तुलसी की कविता Unit-2 • वर्ण व्यवस्था और तुलसी का समाज		
	Unit-1 • लोक मंगल एवं समन्वय की भवना Unit-2 • राम काव्य की परंपरा और तुलसी		
Block-III	Unit-1 • तुलसी का सौन्दर्यबोध Unit-2 • काव्य-रूप एवं काव्य-भाषा		
	Unit-1निर्धारित पाठ: व्याख्या के लिए • रामचरितमानस (अयोध्याकाण्डसम्पूर्ण) • कवितावली, (प्रारम्भकेचारकाण्ड) Unit-2निर्धारित पाठ: व्याख्या के लिए • गीतावली (पद सं० 1 से 10 तक) • दोहवाली (प्रारंभ के 100 दोहे)		

प्रस्तावित पुस्तकें :

- 1- गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- 2- तुलसी दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र इलाहाबाद
- 3- तुलसी, उदयभानु सिंह - दिल्ली
- 4- रामकथा: उत्पत्ति और विकास, कामिल बुल्के - इलाहाबाद

- 5- राम काव्य और तुलसी, प्रेमशंकर दिल्ली
- 6- लोकवादी तुलसी, विश्वनाथ त्रिपाठी, दिल्ली
- 7- तुलसी सर्वेक्षण रामप्रसाद मिश्र - इंडियन प्रकाशन, डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
- 8- तुलसीदास और उनका काव्य रामनरेश त्रिपाठी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
- 9- तुलसी रसायन- भगीरथ सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- 10- तुलसी मानस रत्नाकर- भाग्यवती सिंह, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा

तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class		M.A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi			
Course Code: A010906T0DL		Course Title: D प्रेमचन्द	
CREDITES: 5		MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective • प्रेमचंद के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना • उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes • प्रेमचंद जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान • उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी			
Block	Unit Detail		
Block-I	Unit-1	• प्रेमचन्दयुगीनप्रवृत्तियाँयापरिस्थितियाँ	
	Unit-2	• प्रेमचन्दकाव्यकितव व कृतित्व	
Block-II	Unit-1	• कथासंग्रह-सोजेवतन	
	Unit-2	• कहानियाँ-पंचपरमेश्वर, ईदगाह, मंत्र	
Block-III	Unit-1	• उपन्यास- कर्मभूमियारंगभूमि	
	Unit-2	• उपन्यास- गबनयागोदान	
Block-IV	Unit-1	• प्रेमचन्दकीरचनाओंकाकथ्यवशिल्प	
	Unit-2	• प्रेमचन्द्रकामूल्यांकनवसाहित्यिकअवदान	

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. हंसराज रहबर, प्रेमचंद: जीवन और कृतित्व, आत्माराम, दिल्ली-1962
2. अमृतराय, कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद-1962
3. रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उसका युग, राजकमल, दिल्ली-1989
4. कमलकिशोर गोयनका, प्रेमचंद कोश, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली-1981
5. वीर भारत तलवार किसान, राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचन्द, नॉदर्न बुक सेंटर दिल्ली-1990
6. वीर भारत तलवार, राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य, सरस्वतीपुस्तक भण्डार दिल्ली, 1994
7. सत्यप्रकाश मिश्र- गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद-1988
8. मीनाक्षी मुखर्जी- रियलिज्म एण्ड रियालिटी: नॉवेल एण्डसोसायटी इन इंडिया, ओ यू पी, दिल्ली 1985
9. गीतांजली श्री- बिटविन टू वर्ल्ड्स, मनोहर, दिल्ली, 1989
10. जाफर रजा प्रेमचंद : उर्दू हिन्दी कथाकार, लोकभारती, इलाहाबाद, 1883
11. शिवरानी देवी- प्रेमचंद घर में, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1981
12. डॉ गोपाल राय- गोदान : अध्ययन की समस्याएं, ग्रंथ निकेतन, पटना, 1966
13. अमृतराय- विविध प्रसंग, खण्ड 1, 2, 3 हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
14. अमृतराय, मदनगोपाल- प्रेमचंद : चिट्ठी पत्री खण्ड 1, 2, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद 1978
15. सं० मंगल मूर्ति- प्रेमचंद : पत्र प्रसंग, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1991
16. सं० कमल किशोर- प्रेमचंद का अप्राप्य साहित्य, खण्ड 1, 2, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1988
17. मन्मथनाथ गुप्त- प्रेमचंद : व्यक्ति और साहित्यकार, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद, 1961
18. बिक्टर बालिन- कहानीकार प्रेमचंद, अप्रतिम प्रकाशन, दिल्ली, 1993,

- 19 सं. सदानंद शाही- दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद, प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर, 2002
20. सं. आलोक राय, मुश्ताक अली- समक्ष : प्रेमचंद की बीस उर्दू-हिन्दी कहानियों का समान्तर पाठ, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एवं हंस प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
21. श्रीनारायण पांडे- प्रेमचंद का संघर्ष, शांतिप्रकाशन, इलाहाबाद, 1987
- 22 नंददुलारे वाजपेयी- प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल, दिल्ली, 2000

तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi		
Course Code: A010907TODL	Course Title: जयशंकरप्रसाद	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - जयशंकर प्रसाद के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes - जयशंकर प्रसाद के जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान - उनके साहित्य की बेहतर समझ विकसित होगी		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 प्रसाद की दार्शनिक चेतना	
	Unit-2 प्रसाद का इतिहास बोध	

Block-II	Unit-1
	छायावादी काव्य दृष्टि और प्रसाद
Block-III	Unit-2
	कामायनी (एम. ए., प्रथम वर्ष) पाठ्यक्रममें चयनित सर्गों को छोड़कर
Block-IV	Unit-1
	नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसार
Block-IV	Unit-2
	नाटक- अजातशत्रु, स्कंदगुप्त
Block-IV	Unit-1
	काव्यकला तथा अन्य निबन्ध
Block-IV	Unit-2
	जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन व साहित्यिक अवदान

प्रस्तावित पुस्तकें -

- 1- कामायनी सौन्दर्य - फतेह सिंह
- 2- कामायनी अनुशीलन - रामलाल सिंह
- 3- प्रसाद का काव्य प्रेमशंकर प्रसाद
- 4- साहित्य : कुछ विचार लक्ष्मीनारायण दुबे
- 5- जयशंकर प्रसाद नन्द दुलारे वाजपेयी
- 6- जयशंकर प्रसाद प्रभाकर श्रोत्रिय
- 7- प्रसाद के नाटक एवं नाट्यशिल्प शान्ति स्वरूप गुप्त
- 8- प्रसाद के नाटका का शास्त्रीय अनुशीलन- जगन्नाथ शर्मा
- 9- कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डा० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- 10- राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक इन्दुमती सिंह साहित्य निलय, कानपुर

तृतीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M.A. - II Year	Semester – III
Subject: Hindi		
Course Code: A010908TODL	Course Title: F आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - आचार्य रामचंद्र शुक्ल के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes		

• आचार्य शुक्ल के जीवन और लेखन का विशिष्ट ज्ञान • उनके कृतित्व की समझ विकसित होगी	
Block	Unit Detail
Block-I	Unit-1 आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि और हिन्दी साहित्य का इतिहास
	Unit-2 आचार्य शुक्ल की आलोचना और साहित्य दृष्टि
Block-II	Unit-1 चिन्तामणिभाग-1, 2 तथा 3
	Unit-2 त्रिवेणी, विचार-वीथी
Block-III	Unit-1 रसमीमांसा
	Unit-2 शशांक (अनूदितउपन्यास)
Block-IV	Unit-1 बुद्धचरित (लाइटऑफएशियाकाअनुवाद)
	Unit-2 ग्यारहवर्षकासमय (कहानी) स्फुटकविताएँ

प्रस्तावित पुस्तकें

- 1- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना राम विलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- 2- चिन्तामणि-नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- 3- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल सिद्धान्त और साहित्य जयचन्द राय ।
- 4- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शम्भूनाथ पाण्डेय,
- 5- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिन्तामणि कृष्णदेव शर्मा

चतुर्थप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi		
Course Code: A010909TODL	Course Title: A हिन्दीरंगमंच	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE)	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE)

	25+75	10+30
Course Objective • भारतीय, पाश्चात्य और लोक- सांस्कृतिक रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना • विभिन्न नाटककारों, निर्देशकों के विचार और रंगकर्म का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes • हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान • प्रमुख नाटककारों, निर्देशकों के मत और रंगकर्म का व्यावहारिक ज्ञान		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 नाटक और रंगमंच • नाटक और रंगमंच का अन्तःसम्बन्ध • नाटक में दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन • नाट्य भेद • भारतीय रूपक- उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय) Unit-2 नाटक और रंगमंच का स्वरूप • नाट्योत्पत्ति सम्बन्धी विविध मत • रूपक की अवधारणा • नाट्य अध्ययन का स्वरूप: नाटक का विधेयागत वैशिष्ट्य	
Block-II	Unit-1 पारम्परिक नाट्य-रूपक • रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी, माच, खयाल, विदेसिया आदि Unit-2 पाश्चात्य नाटक (सामान्य परिचय)	
Block-III	Unit-1 नाट्य-विधान, भारतीय पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन Unit-2 रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंगराम्प्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)	
Block-IV	Unit-1 विश्व के प्रमुख रंगचिन्तक: भरत-स्तानिस्लाव्स्की, ब्रेख्त के अभिनय सिद्धान्त, हिन्दी रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास Unit-2 पारसी, पृथ्वी थियेटर, इण्टा, प्रमुख सरकारी रंग संस्थाएँ, नुक्कड़ नाटक	

प्रस्तावित पुस्तकें -

- 1- नाट्य शास्त्र : राधा वल्लभ त्रिपाठी
- 2- रंगदर्शन: नेमिचन्द्र जैन
- 3- पारम्परिक भारतीय रंगमंच कपिला वात्स्यायन
- 4- परंपराशील नाट्य: जगदीशचन्द्र माथुर
- 5- रंगमंच और नाटक की भूमिका लक्ष्मी नारायण लाल
- 6- हिन्दी नाटक और रंगमंच वेस्ट का प्रभाव : सुरेश वशिष्ठ
- 7- भारत की हिन्दी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्यशालाएँ: विश्वनाथ शर्मा
- 8- रंगमंच: सर्वानन्द
- 9- रंगकर्म: वीरेन्द्र नारायण
- 10- भारतीय रंगकोश सम्पादक प्रतिभा अग्रवाल

11- भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच सीताराम चतुर्वेदी

12- What is Theatre: Eric Bentley

चतुर्थप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class		M. A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi			
Course Code: A010910TODL		Course Title: B साहित्य एवं सिनेमा	
CREDITES: 5		MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - हिंदी सिनेमा और साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - हिंदी सिनेमा और साहित्य की प्रस्तुति माध्यमों का व्यावहारिक ज्ञान Course Learning Outcomes - हिंदी सिनेमा और साहित्य की सैद्धांतिक समझ - हिंदी सिनेमा और साहित्य की जगत के विश्लेषण की क्षमता			
Block	Unit Detail		
Block-I	Unit-1	साहित्यकी अवधारणा एवं स्वरूप (विद्यागत परिचय) सिनेमा की अवधारणा, साहित्य और सिनेमा: सैद्धान्तिक पक्ष	
	Unit-2	सिनेमामें प्रयुक्त साहित्यिक विधाएँ- उपन्यास, कहानी, जीवनी, नाटक, आत्मकथा, संस्मरण गीत आदि	
Block-II	Unit-1	साहित्य एवं सिनेमा की रचना प्रक्रिया- शब्द, वाक्य, अनुच्छेद और शॉट, सीन, सीक्वेल, कथा-कथोपन और पटकथा	
	Unit-2	संवाद का व्यौरा और सिनेमाई गीत, नाटक और सिनेमा, लेखक और निर्देशक, पाठक और दर्शक	
Block-III	Unit-1	हिन्दी सिनेमा का उद्भव- विकास, प्रारंभिक पृष्ठभूमि, प्रथम भारतीय फिल्म, सवाक् फिल्मों से स्वतंत्रता प्राप्ति तक (1931-1947)	
	Unit-2	आजादी के बाद से आपातकाल तक (1948-1977), आपातकाल से भूमंडलीकरण के पूर्व तक, भूमंडलीकरण से वर्तमान तक	

Block-IV	Unit-1 हिन्दी साहित्यकारों की कृतियों पर बनी फिल्मों का परिचय। फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर 'मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम'
	Unit-2 शैलेन्द्रकृत 'तीसरी कसम' केशव प्रसाद मिश्र के उपन्यास पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'नदिया के पार' तथा 'हम आपके हैं कौन' फिल्म की समीक्षा

प्रस्तावित पुस्तकें

- 1- जलक्षत्रिय, नीरा- साहित्य और सिनेमा का अंतर्सम्बन्ध, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013
- 2- रंगून वाला, फिरोज- भारतीय चलचित्र का इतिहास, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली, 1975
- 3- कुमार हरीश- सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2013
- 4- राही, मासूम रजा- सिनेमा और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001
- 5- पटकथा लेखन मनोहर श्याम जोशी
- 6- समय सिनेमा और इतिहास संजीव श्रीवास्तव
- 7- हिन्दी सिनेमा सदी का सफर अनिल भार्गव
- 8- साहित्य सिनेमा और समाज पूरन चन्द्र टंडन, सुनील कुमार तिवारी

प्रथमप्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - IV
Subject: Hindi		
Course Code: A011001TODL	Course Title: अस्मितामूलकविमर्श	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30

Course Objective

- अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- अस्मितामूलक अध्ययन की समझ और भारतीय एवं पाश्चात्य विचारे

Course Learning Outcomes

- विभिन्न अस्मिता की समझ
- अस्मिता की निर्मिति, विभेदन, इतिहास और अन्य अवधारणाओं की समझ

Block	Unit Detail
Block-I	Unit-1 अस्मिता : हिन्दी साहित्य • अस्मिता : अवधारणा और सिद्धांत • अस्मिता और हिन्दी साहित्य
	Unit-2 स्त्री एवं दलित अस्मिता और हिन्दी साहित्य • स्त्री अस्मिता और हिन्दी साहित्य • दलित अस्मिता और हिन्दी साहित्य
Block-II	Unit-1 स्त्री अस्मिता • स्त्री विमर्श और नारीवाद • स्त्री मुक्ति आंदोलन- ऐतिहासिक रूपरेखा Unit-2 प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक एवं प्रतिनिधि स्त्री अस्मिता ग्रंथ • प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक • प्रतिनिधि स्त्री अस्मिता ग्रंथों का परिचय (पाठ्य क्रम में सम्मिलित किसी कृति पर स्त्री विमर्श का विश्लेषण)
Block-III	Unit-1 • दलित अस्मिता, दलित का आशय, दलित की अवधारणा, दलित साहित्य के सरोकार • प्रतिनिधि दलित साहित्यकार (पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर दलित विमर्श का विश्लेषण) Unit-2 दलित साहित्य की सैद्धांतिकी • फूले - अंबेडकरवाद, बौद्ध धम्म एवं दर्शन, अस्मितावाद एवं दलित सौन्दर्यशास्त्र

Block-IV	Unit-1आदिवासीअस्मिता - आदिवासीअस्मिता- सरोकार और सवाल Unit-2आदिवासीसाहित्य - प्रतिनिधित्वासाहित्यकार (पाठ्यक्रममेंसम्मिलितकिसीकृतिपरआदिवासीविमर्शकाविश्लेषण)
-----------------	--

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. Feminist Thought: A Comprehensive Introduction Tony Roserway
2. स्त्री उपेक्षिता: सीमोन द बुआ
3. दलित साहित्य विशेषांक: हंस पत्रिका
4. अम्बेडकर समग्र प्रकाशन विभाग भारत सरकार
5. हिन्दी में आदिवासी साहित्य, मुस्ताक अली
6. भारतीय आदिवासी लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
7. आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता
8. भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि: ललित प्रसाद विद्यार्थी
9. आदिवासी भाषा और साहित्य सम्पादक रमणिका गुप्ता

द्वितीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. – I Year	Semester – I
Subject: Hindi		
Course Code: A011002TODL	Course Title: A नीतिकाव्य	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - नीतिकाव्यकी अवधारणा, नीति के रूप का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना - हिन्दीमें नीतिकाव्यपरम्परा से परिचय Course Learning Outcomes - विभिन्न नीति काव्यों की समझ - नीति काव्यों की निर्मिति और इतिहास की समझ		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 नीतिकाव्यकी अवधारणा तथा अर्थ - नीतिकाव्यकी अवधारणा - नीतिकी परिभाषा तथा अर्थ Unit-2 हिन्दी और नीति काव्य - नीतिके रूप - हिन्दीमें नीतिकाव्यपरम्परा	
Block-II	Unit-1 कविवृंद - कविवृंद: नीतिसतसई (वृंदग्रंथावली) दोहासंख्या-1 से 20 Unit-2 रैदास - रैदास (रैदासवाणी) पदसंख्या - 43, 65, 79	
Block-III	Unit-1 बोधा - कविबोधा: इस्कनामा, बोधग्रंथावली: सं. - विश्वनाथप्रसादमिश्र छंदसंख्या 1 से 20 Unit-2 रज्जब - कविरज्जब: रज्जब-वाणी: सं. बृजलालवर्मा गुरुदेवके अंग- 1-5 छंद, सबदके अंग 1-5 छंद, पीवपिछानका अंग 1-5 छंद, विरहका अंग-1-5 छंद (कुल 20 पद)	
Block-IV	Unit-1 हिन्दीमें नीतिकाव्यपरम्परा और रहीम Unit-2 रहीम दोहावली रहीम दोहावली दोहासं- 31, 66, 78, 100, 190, 207, 230, 240, 254, 276	

प्रस्तावित पुस्तकें-

- वृंदग्रंथावली: जनार्दनरावचेलेर
- वृंद और उनका काव्य, जनार्दनरावचेलेर

3. बोधा- गीताशर्मा
4. सोमनाथव्यक्तित्वऔरकृतित्वः पूरनचंदटडन
5. सोमनाथग्रन्थावली (खंड-क, दो, तीन) सं. सुधाकरपांडेय
6. सोमनाथ-रत्नावली: सं. ओंकारनाथपाण्डेय
7. संतरज्जबअली:वाणीऔरविचार- रमेशचन्द्रमिश्र
8. रज्जववाणी:डॉ० बृजलालवर्मा
9. संतकाव्यसंग्रह:सम्पादकपरशुरामचतुर्वेदी



द्वितीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - IV
Subject: Hindi		
Course Code: A011003TODL	Course Title: B शैलीविज्ञान	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान और शैलीविज्ञान की समझ - शैलीविज्ञान की समझ से कृति की संरचना और उपांगों की समझ Course Learning Outcomes - शैलीविज्ञान और साहित्यिकता की समझ - कृति विश्लेषण की क्षमता		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 शैली और शैलीविज्ञान - शैली की अवधारणा: भारतीय एवं पाश्चात्य - शैलीविज्ञान: स्वरूप और क्षेत्र Unit-2 शैलीविज्ञान: भाषा और सर्जनात्मकता - शैलीविज्ञान में वस्तुनिष्ठ समीक्षा की प्रक्रिया - भाषा और सर्जनात्मकता: शैलीविज्ञान का मूल आधार	
Block-II	Unit-1 शैलीविज्ञान: विभिन्न संकल्पनाएँ-1 - अग्रगामिता - चयन - विचलन Unit-2 शैलीविज्ञान: विभिन्न संकल्पनाएँ-2 - समानांतरता - अप्रस्तुत विधान - बहुअर्थता	
Block-III	Unit-1 शैलीविज्ञान: भाषा की प्रकृति-1 - सामान्य भाषा - मानक एवं शास्त्र भाषा Unit-2 शैलीविज्ञान: भाषा की प्रकृति-2 - शैलीविज्ञान: साहित्य भाषा - साहित्य भाषा के विश्लेषण के तत्व: ध्वनि, शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ, प्रोक्ति, बिम्ब और प्रतीक	

Block-IV	Unit-1 शैली-विश्लेषण-1 - पाठकीसंरचना, गठनऔरसंस्कृति - विन्यासक्रमी - सहचारक्रमी, लेखीयशैली-विश्लेषण
	Unit-2 शैली-विश्लेषण-2 - काव्यभाषा-विश्लेषण - गद्यभाषा-विश्लेषण

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. शैलीविज्ञान: भोलानाथतिवारी
2. संरचनात्मकशैलीविज्ञान: रवींद्रनाथश्रीवास्तव
3. शैलीविज्ञान: सुरेशकुमार
4. शैलीऔरशैलीविज्ञान: सं. सुरेशकुमारऔररवींद्रनाथश्रीवास्तव
5. शैलीऔरशैलीविश्लेषण: पाण्डेयशशिभूषणशीतांशु



तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - IV
Subject: Hindi		
Course Code: A011004TODL	Course Title: A भारतीयसाहित्य	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective • भारतीय साहित्य की आधुनिकता का विश्लेषणात्मक ज्ञान • विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes • भारतीय साहित्य की विशिष्ट समझ • प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 • भारतीयसाहित्यकास्वरूप Unit-2 • भारतीयसाहित्यकीसंकल्पना	
Block-II	Unit-1 • हिन्दीत्तरभाषाओंमेंसेकिसीएकभाषाकेसाहित्यएवंभाषिकस्वरूपकाअध्ययन Unit-2काव्य • वर्षाकीसुबह- शीताकांतमहापात्र (उड़िया) (पाँचकविताएँ) - वर्षाकीसुबह, हमशब्द, जाड़ेकीसांझसमुद्रतट, चूल्हेकीआग	
Block-III	Unit-1काव्य • सुब्रमण्यमभारती (तमिल) (पाँचकविता), वन्देमातरम, यहहैभारतदेशहमारा, आजादीकाएकपल्लू, निर्भय, जाजर्जरितभारततूजा, आनवभारततूआ Unit-2	

	• भारतीयगद्यसाहित्य
Block-IV	Unit-1 भारतीयगद्यसाहित्य • अग्निगर्भ- महाश्वेतीदेवी (बांग्ला) Unit-2 भारतीयगद्यसाहित्य • मृत्युंजय- शिवाजीसांवत (मराठी)

प्रस्तावित पुस्तकें-

- 1- भारतीयसाहित्यकीसंक्षिप्तरूपरेखा: विजयशंकरमिश्रा
- 2- आजकाभारतीयसाहित्य: साहित्यअकादमी
- 3- भारतीयसाहित्यकीभूमिका: रामविलासशर्मा
- 4- इंद्रप्रस्थ: भारतीकाभारतीयसाहित्यविशेषांक, जुलाई-सितम्बर, 2002

तृतीयप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - II Year	Semester - IV
Subject: Hindi		
Course Code: A011005TODL	Course Title: B हिन्दीतरक्षेत्रोंकाहिन्दीसाहित्य	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective • हिन्दीतर क्षेत्रों के हिन्दी साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान • विभिन्न क्षेत्रों के लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes • हिन्दीतर क्षेत्रों के हिन्दी साहित्य की विशिष्ट समझ • प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 • हिन्दीतरक्षेत्रोंकासंक्षिप्तपरिचय	
	Unit-2 • हिन्दीतरक्षेत्रोंका सांस्कृतिकपरिचय	
Block-II	Unit-1 • संविधानकीअनुसूचीमेंवर्णितहिन्दीतरभाषाओंकासंक्षिप्त	
	Unit-2 • उत्तरभारतकेहिन्दीतरक्षेत्रोंकाहिन्दीसाहित्यतथाकार्यरतसंस्थाओंकापरिचय	

Block-III	Unit-1 • पूर्वोत्तरभारतकेहिन्दीतरक्षेत्रोंकाहिन्दीसाहित्यतथाकार्यरतसंस्थाओंकापरिचय
	Unit-2 • दक्षिणभारतकेहिन्दीतरक्षेत्रोंकाहिन्दीसाहित्यतथाकार्यरतसंस्थाओंकापरिचय
Block-IV	Unit-1 • पश्चिमीभारतकेहिन्दीतरक्षेत्रोंकाहिन्दीसाहित्यतथाकार्यरतसंस्थाओंकापरिचय
	Unit-2 • पूर्वभारतकेहिन्दीतरक्षेत्रोंकाहिन्दीसाहित्यतथाकार्यरतसंस्थाओंकापरिचय

प्रस्तावित पुस्तकें -

- 1- केरलमेंहिन्दीभाषाऔरसाहित्यकाविकास: डॉ० एन. ई. विश्वनाथअय्यर
- 2- हिन्दीकेनिर्माता: कुमुदशर्मा
- 3- हिन्दीसाहित्यकोहिन्दीतरप्रदेशोंकीदेन: डॉ० मलिकमोहम्मद
- 4- दक्षिणभारतमेंहिन्दी: रमेशशर्मा



चतुर्थप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class		M. A. - II Year	Semester - IV
Subject: Hindi			
Course Code: A011006TODL		Course Title: A हिन्दीविज्ञानलेखन	
CREDITES: 5		MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - हिंदीमेंविज्ञानलेखनकाइतिहास और स्वरूप का विश्लेषणात्मक ज्ञान - विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes - हिंदीकेविज्ञानसाहित्य की विशिष्ट समझ - प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी			
Block	Unit Detail		
Block-I	Unit-1 विज्ञानलेखनकीअवधारणाऔरहिंदी - हिंदीमेंविज्ञानलेखनकाइतिहास - हिंदीमेंविज्ञानलेखनकीसमस्या, चुनौतियांऔरसंभावना, - विज्ञानलेखनकेविभिन्नस्वरूप Unit-2 रोजमर्राकेजीवनमेंविज्ञानकीभूमिका - विज्ञानलेखनकास्वरूप-कथाऔरकथेतर - विज्ञानलेखनकेविविधपक्ष-सामान्यविज्ञान, पर्यावरणसंबंधीलेखन, प्रोद्योगिकीसंबंधीलेखन - विज्ञानआधारितपुस्तकों, पत्र, पत्रिकाओंआदिकाअध्ययन		
Block-II	Unit-1 हिंदीकेविज्ञानलेखकोंकाअध्ययन-1 - संरचना, शैली, आख्यान, वाचिकताकाअध्ययन Unit-2 हिंदीकेविज्ञानलेखकोंकाअध्ययन-2 - गुणाकरमुलेकासाहित्य - देवेंद्रमेवाड़ीकासाहित्य		
Block-III	Unit-1संचारमाध्यमऔरविज्ञानलेखन-1 - प्रिंटमीडियामेंविज्ञानलेखनकीस्थिति Unit-2संचारमाध्यमऔरविज्ञानलेखन-2 - टेलीविजनऔरविज्ञानलेखन - न्यूमीडियाऔरविज्ञानलेखन Unit-1व्यावहारिक विज्ञान लेखन-1 - सिद्धांत, प्रामाणिकताऔरस्रोत		

Block-IV	• विज्ञानलेखनकेरूप-खबर, कथा, कथेतर Unit-2व्यावहारिक विज्ञान लेखन-2 • विज्ञानलेखनकेलक्षितपाठकऔरलेखन • विज्ञानलेखनकीशब्दावली
-----------------	--

प्रस्तावित पुस्तकें+-

- 1- शिवगोपालमिश्र, हिंदीमेंविज्ञानलेखन: भूत, वर्तमानऔरभविष्य, 2015
- 2- शिवगोपालमिश्र, हिंदीमेंविज्ञानलेखनकेसौवर्ष, विज्ञानप्रसार, 2003
- 3- गुणाकरमुले, प्राचीनभारतकेमहानवैज्ञानिक, राजकमलप्रकाशन, 2003,
- 4- गुणाकरमुले, भारतीयविज्ञानकीकहानी, राजकमलप्रकाशन, 2003,
- 5- देवेंद्रमेवाड़ी, सौरमंडलकीसैर, नेशनलबुकट्रस्ट, 2012-
- 6- देवेंद्रमेवाड़ी, मेरीप्रियविज्ञानकथा., आधारप्रकाशन, 2011



चतुर्थप्रश्नपत्र (वैकल्पिक)

Programme/Class	M. A. - I Year	Semester - I
Subject: Hindi		
Course Code: A011007TODL	Course Title: B हिन्दीकेक्षेत्र, लोक-शैलियाँऔरलोक-साहित्यकेविविधआयाम	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30
Course Objective - हिंदी: लोक-संस्कृतिऔर साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान - विभिन्न लोक शैलियों और लोक-साहित्य का विशिष्ट ज्ञान Course Learning Outcomes - हिंदीकेक्षेत्र के लोक साहित्य की विशिष्ट समझ - प्रमुख लोक-शैलियों और लोक-साहित्य की समझ विकसित होगी		
Block	Unit Detail	
Block-I	Unit-1 - हिंदी: लोक-संस्कृतिकेक्षेत्र Unit-2 - हिंदी: औरलोक-शैलियाँ	
Block-II	Unit-1 - लोकगीत, देवीगीत Unit-2 - संस्कारगीत, ऋतुगीत, श्रमगीत	
Block-III	Unit-1 - लोकगाथा, लोकआख्यान Unit-2 - पंडवानी	

Block-IV	Unit-1 • रामलीला, नौटंकी Unit-2 • स्वांग, बिदेसिया •
-----------------	---

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. Culture as Paramix : Zygmunt Bauman
2. Archaeology and Folklore : Amy Gazin-Schwartz - Cornelius J. Holtorf (Edt)
3. Theory and History of Folklore: Vladimir Propp
4. Folklore, Myths and Legends : Donna Rosenberg
5. Folk Culture in India : S.P. Pandey, Awadhesh Kumar Singh
6. Folk Culture in India : Dr. M. Kirti Singh
7. An Outline of the Cultural History of India: Syed Abdul Latif
8. Malabar and its Folk : T. K. Gopal Panikkar
9. Facets of Indian Culture: Dr. P.C. Muraleemadhavan (Edt.)
10. Mirrors of Indian Culture : Krishna Murthy
11. Varia Folklorica : Alan Dundes (Edt.)
12. Folkways in Rajasthan : V.B. Mathur
13. Folklores of U.P. Tribes : Amir Hasan & Seemin Hasan
14. Indian Folk tales of North-East : Tamo Mibang, P.T. Abraham
15. Traditions of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan
16. Many Ramayana : Richman 17. Folk Life : (Journal)
17. लोकनाट्यसांग: आजऔरकल: पूर्णचंदशर्मा
18. भारतीयलोकगीतसांस्कृतिकअस्मिता: सुरेशगौतम
19. लोककाआलोक: सं. पीयूषदहिया
20. लोक: सं. पीयूषदहिया
21. लोक-साहित्यविज्ञान: सत्येंद्र
22. लोक-साहित्यकीभूमिका:धीरेन्द्रवर्मा
23. लोकसाहित्यकाअध्ययन: त्रिलोचनपाण्डेय
24. लोकसाहित्यकीभूमिका: कृष्णदेवउपाध्याय
25. लोकसाहित्य: सुरेशगौतम
26. लोकनाट्यसांग: कलऔरआज: पूर्णचंदशर्मा
27. भारतीयलोकअवधारणाओंकेआधारएवंस्वरूप: प्रतापसिंह
28. लोकगीतपाठएवंविमर्श: सत्यप्रियपाण्डेय
29. लोकआख्यानपरम्पराऔरपरिदृश्य: श्यामसुंदरदुबे
30. लोकसाहित्यविमर्श: श्यामपरमार

31. लोकसाहित्यऔरलोकसंस्कृति: दिनेश्वरप्रसाद
32. लोकसंस्कृतिऔरप्रयोग: श्रीरामशर्मा
33. भारतीयलोकसाहित्य: श्यामपरमार

